दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 187 ■ दमण, सोमवार 22 अप्रैल 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

पीएम मोदी ने जारी किया भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव टिकट और सिक्का

■ युवा पीढ़ी का ये समर्पण विश्वास पैदा करता है कि देश सही दिशा में जा रहा है : पीएम मोदी

दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने महावीर जयंती के अवसर पर 2550वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के उद्घाटन पर रविवार को एक स्मारक टिकट और सिक्का जारी किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत मंडपम का ये भव्य भवन आज भगवान महावीर के 2,550वें निर्वाण महोत्सव के आरंभ का साक्षी बन रहा है। इस मौके पर विद्यार्थी मित्रों ने भगवान महावीर के जीवन को चित्रों द्वारा प्रदर्शित किया। युवाओं ने वर्तमान में वर्धमान सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी पेश की। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे अनादि मूल्यों के प्रति, भगवान महावीर के प्रति युवा पीढ़ी का ये समर्पण विश्वास पैदा करता है कि देश सही दिशा में जा रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि इस शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देता हूं। चुनाव के कठिन समय में ऐसे पवित्र कार्यक्रम में शामिल होना मन को शांति दे रहा है। उन्होंने कहा, भगवान महावीर का ये 2,550वां निर्वाण महोत्सव एक दुर्लभ अवसर है। ऐसे अवसर कई विशेष संयोगों को जोड़ते हैं। पीएम ने कहा ये वह समय है, जब भारत अमृतकाल के शुरुआती दौर में है और देश आजादी के शताब्दी वर्ष को स्वर्णिम शताब्दी बनाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस साल हमारे संविधान को भी 75 साल पूरे होने वाले हैं। इस समय हमारा देश एक बड़ा लोकतांत्रिक उत्सव यानी चुनावी महाकुंभ मना रहा है। देश को विश्वास है कि यहीं से भविष्य की नई यात्रा शुरू होगी। मेरा आप लोगों से जुड़ाव बहुत पुराना है और मैं हमेशा आप से जुड़ा रहूंगा क्योंकि पूरा देश ही मेरा परिवार है।

भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने परियारी के विभिन्न विस्तारों में चुनावी सभा आयोजित कर मांगा समर्थन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने शनिवार को परियारी मंडल के विभिन्न विस्तारों में चुनावी सभा आयोजित कर समर्थन मांगा। भाजपा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि भाजपा उम्मीदवार सांसद लालू पटेल की नायला पारडी, देवा पारडी, परियारी वारलीवाड एवं माह्लावंशी फलिया में चुनावी सभा आयोजित हुई थी। इन सभाओं में भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने दमण-दीव में हुए विकास कार्यों के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी। उन्होंने बताया की समुद्र किनारों पर हुए विकास कार्यों से दमण-दीव के पर्यटन को गति मिली है और लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए है। लालू पटेल ने मतदातओं का आह्वान करते हुए कहा कि फिर एक बार भाजपा को वोट देकर केन्द्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने और दमण-दीव की सीट जीताकर भेंट देने में अपना पूरा सहयोग दे। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष महेश आगरिया, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष अस्पी दमणिया, आदिवासी समाज के युवा भाविक हलपति, भाजपा नेत्री तरुणा पटेल, पूर्व सरपंच दिलीप पटेल सहित भाजपा कार्यकताओं एवं लालू पटेल के समर्थकों की उपस्थिति रही।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली को पुलिस ने ढेर कर दिया है। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में इस साल अब तक 80 नक्सली मारे जा चुके हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के केशकुतुल गांव के पास एक जंगल में कई नक्सलियों के होने की सूचना मिली। सुबह करीब साढ़े पांच बजे गोलीबारी शुरु होगी। जब डीआरजी की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि रायपुर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित केशकुतुल-केशमुंडी जंगलों में नक्सलियों के डिवीजन सप्लाई टीम कमांडर कवासी पंडारू और 15-20 अन्य कैडरों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। दोनों ओर से गोलीबारी शुरु हुई जिसमें एक नक्सली को मार गिराया। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद घटनास्थल से एक नक्सली का शव, एक हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इस मुठभेड़ से पहले सुकमा में दो इनामी समेत तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर किया था। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला नक्सली भी है जो पूर्व में एसजेडसीएम बारसे देवा की गार्ड रही है। समर्पण करने वालों में एक लाख का इनामी डीएकेएमएस अध्यक्ष कवासी हुंगा , नुप्पो भीमा मिलिशिया डिप्टी कमांडर शामिल है।

शराब घोटाला मामले में ईडी ने छग के पूर्व आईएएस अधिकारी को किया गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी देते बताया कि ईडी ने 2003 बैच के अधिकारी को शनिवार को रायपुर में आर्थिक अपराध शाखा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय से हिरासत में ले लिया जहां अधिकारी अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा उसी मामले में अपना बयान दर्ज करने गए थे। सूत्रों ने कहा कि अनिल टुटेजा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावि?धानों के तहत हिरासत में लिया गया है और उनकी रिमांड की मांग करते हुए कोर्ट के सामने पेश किए जाने की संभावना है। अनिल टुटेजा पिछले साल ही अपने पद से रिटायर्ड हुए थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में आयकर विभाग की शिकायत पर आधारित अपनी पिछली एफआईआर को रद्द करने के बाद ईडी ने कथित शराब घोटाला मामले में एक नया मनी लॉन्ड्रिंग मामला दर्ज किया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ में बेची गई शराब की हर बोतल से अवैध रूप से धन जमा किया गया है और रायपुर मेयर के बड़े भाई के नेतृत्व में शराब सिंडिकेट द्वारा 2,000 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार और धनशोधन के सबूत मिले हैं। इसी के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है।

मणिपुर में 22 अप्रैल को दोबारा होगी वोटिंग

- 11 मतदान केंद्रों पर पड़ेगे वोट

इम्फाल। मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने घोषणा की है कि मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर दोबारा वोटिंग की जाएगी। 22 अप्रैल को दोबारा वोटिंग कराई जाएगी। बता दें ?कि निर्वाचन आयोग ने 19 अप्रैल को इन मतदान केंद्रों पर हुई वोटिंग को अमान्य घोषित करने और दोबारा से मतदान कराने को कहा था, इसके बाद ही ये फैसला आया है मणिपुर निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यहां के खुरई निर्वाचन क्षेत्र के मोइरंगकम्पु साजेब और थोंगम लीकाई, क्षेत्रीगाओ के 4, इंफाल पूर्वी जिले के थोंगजू में 1, उरीपोक में 3 और इंफाल पश्चिम जिले के कोंथौजम में 1 मतदान केंद्रों पर दोबारा से वोट डाले जाएंगे। 19 अप्रैल को हुई वोटिंग के दौरान जातीय संघर्ष के चलते तनाव ग्रसित चल रहे मणिपुर के इन केंद्रों से गोलीबारी, धमकी देने और कुछ बूथों पर ईवीएम में तोड़-फोड़ करने जैसे मामले दर्ज हुए थे। मणिपुर की दो लोकसभा सीट इनर मणिपुर और आउटर मणिपुर के लिए शुक्रवार 19 अप्रैल को लोकसभा के पहले चरण में मतदान हुआ था, इस दौरान 72 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। मणिपुर में वोटिंग के दौरान हुई घटनाओं के मद्देनजर कांग्रेस ने मणिपुर के 47 मतदान केंद्रों पर फिर से वोटिंग कराए जाने की मांग की थी।

भाजपा अकेले ही जीतेगी 350 सीटें, जाने माने अर्थशास्त्री ने लोकसभा चुनाव को लेकर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है। कम मतदान ने राजनीतिक दलों और आयोग को चिंता में डाल दिया है लेकिन, दूसरे चरण में सभी राजनीतिक दल और उनके नेता बंपर वोटिंग की उम्मीद लगाए हुए हैं। इस बीच जाने माने अर्थशास्त्री ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा की बड़ी जीत की भविष्यवाणी की है। उन्होंने दावा किया कि इस बार भाजपा को 330 से 350 सीटें मिल सकती है। इतना ही नहीं भाजपा तमिलनाडु जैसे राज्य में 5 सीट हासिल कर सकती है। अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने अपनी नई किताब हाउ वी वोट का विमोचन किया, ने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि भाजपा को इस आम चुनाव में 330 से 350 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने दावा किया भाजपा अपने दम पर 330 से 350 सीटें जीत सकती है। यहां उन्होंने सिर्फ भाजपा की बात की एनडीए की नहीं। सुरजीत की भविष्यवाणी के मुताबिक 2024 के चुनाव में भाजपा को 5 से 7 फीसदी ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को 44 सीटें मिल सकती हैं। भल्ला ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के साथ समस्या नेतृत्व की है। यह सच है कि अर्थव्यवस्था सबसे ज्यादा मायने रखती है, लेकिन नेतृत्व भी दूसरे नंबर पर आता है और इन दोनों पक्षों में भाजपा की स्थिति मजबूत है। अगर विपक्ष एक ऐसे नेता का चयन कर लेता जो पीएम मोदी तुलना में आधी भी अपील करता तो हो सकता था कि इस बार का चुनाव रोचक और कड़ा हो सकता था।

भारत में महिलाओं की लाइफ लाइन हुई बेहतर.....68 से 71 हुई उम्र

नई दिल्ली। भारत की आबादी लगातार बढ़ रही है। कुछ समय पहले भारत ने चीन को भी मामले में पछाड़ दिया है। रिपोर्ट्स की मानें हर साल देश की आबादी 1 प्रतिशत बढ़ रही है। अब यूएनएफपीए ने रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि भारत की अब डेढ़ अरब पहुंच गई है। वहीं महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। इसमें बताया गया हैं कि महिलाओं की जीवन प्रत्याशा में लगभग साढ़े तीन साल की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 साल और महिलाओं की 74 साल है। साल 2020 तक पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 67.8 और महिलाओं की 70.4 साल थी। भारत की आबादी 144.17 करोड़ तक पहुंच गई है। जनसंख्या का आंकड़ा अगले 77 सालों में बढ़कर दोगुना होगा। साल 2050 तक भारत में दुनिया के 17 फीसदी बुजुर्ग होंगे। अभी देश में 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग 7 प्रतिशत से कम हैं। दुनिया में अनुमानित आबादी के साथ भारत सबसे आगे है, जबकि चीन 142.5 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है। 2011 में पिछली जनगणना में देश की आबादी 121 करोड़ थी। इतना ही नहीं भारत में यौन संबंधों को लेकर भी जागरूकता आई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब 30 सालों में प्रजनन स्वास्थ्य बेहतर हुआ है। मातृ मृत्यु (प्रेग्नेंसी के समय मौत) में कमी आई है। दुनिया में ऐसी मौतों में भारत का हिस्सा 8 प्रतिशत है। इसका सारा श्रेय सस्ता, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को दिया जा रहा है। 2006-2023 में भारत में 23 प्रतिशत बाल विवाह भी हुए हैं। वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 प्रतिशत महिलाएं यौन संबंध बनाने से मना नहीं कर पाती है, जबकि 10 में से एक महिला गर्भनिरोधक उपायों के बारे में खुद निर्णय लेने में असमर्थ हैं।

महावीर जयंती पर खड़गे, राहुल और प्रियंका ने देशवासियों को दीं शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने महावीर जयंती पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए इस पवित्र पर्व पर सबकी खुशहाली की कामना की है। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने शुभकामनाएं देते हुए कहा, कि भगवान महावीर का जीवन और शिक्षाएँ हमें दयालु और सरल बनने के लिए प्रेरित करती हैं। उनकी शिक्षाएँ हमें खुशी, संतुष्टि और निःस्वार्थता के जीवन का मार्ग दिखाती हैं।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कहा था- भ्रष्टाचार समाज के लिए एक कैंसर है

- सिसोदिया की जमानत पर सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक कोर्ट में चल रहे दिल्ली शराब घोटाला में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला 30 अप्रैल तक के लिए सुरक्षित रख लिया।

सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि आप नेता मनीष सिसोदिया ने जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं किया है। सीबीआई ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। वे जारी जांच में बाधा डाल सकते हैं। सीबीआई की ओर से पेश वकील पंकज गुप्ता ने कहा कि मनीष सिसोदिया ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं कर रहे हैं। वह आप में बहुत शक्तिशाली पद पर हैं और दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री थे, सीबीआई ने कोर्ट को बताया जिस दिन उन पर केस दर्ज हुआ उसी दिन उन्होंने अपना मोबाइल फोन नष्ट कर दिया था। वह दस्तावेजों को गायब करने में भी शामिल हैं, क्योंकि पुराने कैबिनेट नोट वाली फाइल में से एक अब भी गायब है।

सीबीआई के वकील ने कहा कि सिसोदिया समानता के आधार पर जमानत के लिए योग्य नहीं हैं क्योंकि वह मुख्य आरोपी हैं। वकील ने उन्हें साजिश का मास्टरमाइंड बताते हुए कहा कि यह मनीष सिसोदिया निर्देश पर आधारित था कि अपराध किया गया था। पूरा समुदाय आर्थिक अपराधों का खामियाजा भुगत रहा है। इस दौरान सीबीआई के वकील ने कांग्रेस सरकार के पूर्व पीएम का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था, भ्रष्टाचार समाज के लिए एक कैंसर है। सीबीआई और ईडी का आरोप है कि दिल्ली शराब घोटाले को संशोधित करते समय अनियमितताएं बरती गईं, शराब के लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस दिए गए। कोर्ट 30 अप्रैल को जमानत पर फैसला सुनाएगी।

कैफे ब्लास्ट मामले में कई खुलासे-पाकिस्तान कनेक्शन भी आ रहा सामने

बेंगलुरु। रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट के मामले में अभी पूरी तरह पर्दाफास नहीं हुआ है। लेकिन जांच एजेंसियों को नए नए आउटपुट मिल रहे हैं। एजेंसियां अब आरोपियों के ऑनलाइन हैंडलर की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं, जिसका कोडनेम कर्नल है। अब्दुल मथीन ताहा को इस अटैक का मेन प्लानर और मुसाविर हुसैन शाजिब को हमलावर बताया जा रहा है। अधिकारियों को संदेह है कि कर्नल इन दोनों से संपर्क में था जो 2019-20 में आईएस अल-हिंद मॉड्यूल से जुड़े थे। माना जाता है कि कर्नल दक्षिण भारत में कई युवाओं के संपर्क में था। उसने क्रिप्टो-वॉलेट के जरिए धन भेजा। साथ ही धार्मिक संरचनाओं, हिंदू नेताओं और प्रमुख स्थानों पर हमले के लिए प्रेरित करने का काम किया।सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नवंबर 2022 में मंगलुरु ऑटोरिक्शा विस्फोट के बाद कर्नल नाम के हैंडलर के बारे में जानकारी मिली। वह मध्य-पूर्व में कहीं से काम करता है। ऐसा हो सकता है कि वह अबू धाबी में हो। जांच एजेंसियां आईएस समूह के छोटे मॉड्यूल बनाकर आतंकी गतिविधियों में पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के साथ कर्नल की मिलीभगत से इनकार नहीं कर रही हैं। मालूम हो कि आईएसआई ने पहले भी भारत में आतंकी मॉड्यूल को आईएस के गुर्गों से बढ़ावा देने का काम किया है, जैसे कि अक्टूबर में राजधानी दिल्ली में तीन आईएसआई-स्पॉन्सर्ड आईएस मॉड्यूल सदस्यों की गिरफ्तारी हुई थी।आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने 1 मार्च के विस्फोट का मामला अपने हाथ में लिया था। बम विस्फोट के इस मामले में लगभग 10 लोग बम से घायल हुए थे। दोनों संदिग्धों की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन ताहा के रूप में की गई है। शिवमोग्गा जिले के तीर्थहल्ली का रहने वाला मुसाविर हुसैन शाजिब इस हमले का मास्टरमाइंड है और उसी ने इस धमाके को अंजाम दिया था।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो भाजपा आसानी से केंद्र की सत्ता में वापस नहीं आने वाली : मायावती

गाजियाबाद (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को इलेक?ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर संदेह जाहिर करते हुए दावा किया कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली। बसपा प्रमुख ने रविवार को अमरोहा में पार्टी उम्मीदवार मुजाहिद हुसैन और गाजियाबाद में नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित किया। बसपा प्रमुख ने अमरोहा में भाजपा पर मुसलमानों के उत्पीड़न और गाजियाबाद में पश्चिमी उप्र में क्षत्रियों को टिकट न देकर उनकी उपेक्षा का आरोप लगाया।

मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और इनके अन्य सभी सहयोगी दलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''आजादी के बाद केंद्र और राज्यों में सत्ता ज्यादातर कांग्रेस के हाथों में रहीं, लेकिन अधिकांश मामलों में गलत नीतियों के कारण उसे केंद्र तथा राज्यों की सत्ता से बाहर होना पड़ा।'' भाजपा पर कांग्रेस की राह पर चलने का आरोप लगाते हुए बसपा प्रमुख ने कहा, '' पिछले कई वर्षों से भाजपा और उनके सहयोगी दल केंद्र तथा राज्यों की सत्ता में काबिज हैं लेकिन इनकी जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रदायिक, द्वेष पूर्ण नीतियों, कार्यप्रणाली और इनकी कथनी तथा करनी में अंतर होने के कारण लगता है कि इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली।''

उन्होंने कहा, '' बशर्ते अगर चुनाव इस बार स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए और ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई।'' मायावती ने कहा, '' वैसे भी इस बार चुनाव में इनकी (भाजपा) पुरानी और नयी नाटकबाजी, जुमलेबाजी, गारंटी आदि काम नहीं आने वाले क्योंकि अब देश की जनता इन्हें समझ चुकी है।'' उन्होंने आरोप लगाया, '' इनकी (भाजपा) पार्टी ने देश के गरीब, कमजोर तबकों व अन?य मेहनतकश लोग जिनसे उन्होंने अच्छे दिन दिखाने के वादे किये, उसका एक चौथाई कार्य नहीं किया।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' इनका (भाजपा) ज्यादातर समय और ताकत बड़े पूंजीपतियों, धन्नासेठों को धनवान बनाने और उन्हें छूट देने तथा बचाने में लगा।''

मायावती ने दावा किया कि अब ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी की तरह भाजपा ने केंद्र की अधिकांश जांच एजेंसियों का ''राजनीतिकरण'' कर दिया है। गाजियाबाद में बसपा उम्मीदवार नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में आयोजित जनसभा में मायावती ने भाजपा पर पश्चिमी उप्र में क्षत्रिय समाज की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिमी उप्र में उच?च जाति के लोग काफी तादाद में रहते हैं लेकिन दुख की बात यह है कि भाजपा व अन्य पार्टियां, जो अपने को क्षत्रिय समाज की हिमायती समझती हैं, उन्होंने इस चुनाव में क्षत्रिय समाज की उपेक्षा की है। मायावती ने कहा कि बसपा ने पश्चिमी उप्र में अन?य समाज के साथ ही क्षत्रिय समाज को पूरा पूरा आदर सम्मान दिया है और टिकट बंटवारे में उनको उचित भागीदारी दी है।

गाजियाबाद के मौजूदा सांसद व केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह को टिकट न देकर भाजपा ने उप्र सरकार के पूर्व मंत्री अतुल गर्ग को टिकट दिया है। सिंह, क्षत्रिय समाज से आते हैं। मायावती ने अमरोहा से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं 2019 में बसपा के टिकट पर जीते दानिश अली का नाम लिए बिना कहा, ''2019 में बसपा ने अमरोहा सीट से जिसे टिकट दिया, आप लोगों ने उसे जिताकर भेजा। उस व्यक्ति ने सांसद बनने के बाद न ही पार्टी और न ही क्षेत्र की जनता का मान-सम्मान का ध्यान रखा। उन्होंने जनता और पार्टी के साथ विश्वासघात किया।'' बसपा के टिकट पर अमरोहा से जीतने वाले दानिश अली को इस साल जनवरी में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। अली बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए और कांग्रेस पार्टी के टिकट पर अमरोहा से चुनाव लड़ रहे हैं।

एक सीट के लालच में हमें छोड़ दिया

-उमर अब्दुल्ला डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा पर बरसे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन की सहयोगी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनकी पार्टी अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र में ऐसे मित्र के खिलाफ चुनाव लड़ रही है जो एक सीट के लिए लालची बन गया है। अब्दुल्ला ने पीडीपी के दक्षिण कश्मीर की सीट से चुनाव लड़ने पर यह बात कही।

उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर सीट पर लड़ाई भाजपा से नहीं है। दुर्भाग्य से, वहां नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला हमारे एक मित्र से है जो कुछ दिन पहले तक हमारे साथ था। अब एक सीट के लालच में हमें छोड़ दिया। अब्दुल्ला ने श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा एनसी और पीडीपी विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। वे पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन का भी हिस्सा था जिसका गठन अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद किया गया था। एनसी की ओर से पीडीपी के लिए एक भी सीट छोड़े बिना कश्मीर घाटी में सभी 3 निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार उतारने की घोषणा किए जाने के बाद यह गठबंधन टूट गया। पीडीपी ने तीनों सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि भाजपा घाटी में संसदीय चुनाव सीधे तौर पर नहीं लड़ रही है, बल्कि वह अपनी पार्टी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस जैसे दलों का समर्थन कर रही है। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि भाजपा यहां किसका समर्थन करती है, लेकिन उनके जीतने की कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भगवान ने चाहा तो नेशनल कॉन्फ्रेंस सभी तीन सीट जीतेगी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने एनडीए के 400 पार वाले भाजपा के दावे पर कहा कि नतीजों के बाद सब कुछ साफ हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि लद्दाख सीट उनके हाथ से फिसल रही है। उन्होंने कहा कि कल हुए मतदान के बाद ऐसा लगता है कि वे उधमपुर सीट नहीं बचा पाएंगे। देखते हैं कि जम्मू सीट पर भी क्या होगा।

प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने वाले झामुमो नेता ने मांगी माफी

- एसडीओ कोर्ट ने नजरूल इस्लाम को जारी किया था नोटिस

साहिबगंज (एजेंसी)। पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता एसडीओ की कोर्ट में पेश होकर लिखित माफीनामा पेश कर माफी मांगी है। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता नजरूल इस्लाम ने कोर्ट में माफी मांग ली है। उन्होंने सदर एसडीओ की कोर्ट में पेश होकर लिखित माफीनामा पेश किया। नजरूल इस्लाम की पीएम पर की गई टिप्पणी के बाद बीडीओ सुबोध कुमार ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने सहित अन्य मामलों में साहिबगंज नगर थाने में केस दर्ज कराया था। इसके बाद एसडीओ कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी किया था। नजरूल इस्लाम शनिवार को अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और बयान दर्ज कराया। इसके बाद एसडीओ कोर्ट में पेश होकर लिखित में अपना पक्ष रखा। नजरूल इस्लाम झामुमो की केंद्रीय कमेटी का सदस्य हैं। बता दें 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर एक कार्यक्रम में नजरुल इस्लाम के भाषण का वीडियो वायरल हो गया था इसके बाद विवाद खड़ा हो गया था। वायरल वीडियो में वह पीएम मोदी के अबकी बार 400 पार के नारे का जिक्र करते हुए नजरुल कहते हैं, मैं आप लोगों से कहना चाहता हूं कि 400 सीट नहीं, 400 फिट अंदर नरेंद्र मोदी को गाड़ दिया जाएगा। नजरूल के इस वीडियो की भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। विवाद बढ़ने पर नजरूल इस्लाम ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था, मैं एक प्रोफेसर हूं, मुझे अच्छे-बुरे की परख है। यदि मेरे बातों से किसी को ठेस पहुंची है, तो माफी मांगता हूं। मेरा कहने का तात्पर्य था कि हम पीएम मोदी की गारंटी की 400 के अंदर गांठ बांध देंगे।

भाजपा की सुविधा के लिए 1 जून तक कराया जा रहा मतदान: सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लपेटे में लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय चुनाव आयोग ने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लोगों को आराम देने के लिए मतदान की तारीख 1 जून तक रखी है ताकि बीजेपी के लोगों देश के संसाधनों का जमकर उपयोग कर सकें और उन्हें चुनावी प्रचार का पूरा वक्त मिले।मालदा जिले के गाज़ोल में टीएमसी उम्मीदवार और पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रसून बनर्जी के समर्थन में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 19 अप्रैल से 1 जून तक चुनाव निर्धारित किए गए हैं ताकि मोदी और उनके कैबिनेट सहयोगी विशेष विमानों से यात्रा कर सकें और जमकर प्रचार कर सकें। देश में हर चरण से पहले उन्हें विपक्ष पर हावी होना है।

पश्चिम बंगाल के भाजपा और कांग्रेस सांसदों पर हमला करते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि 2019 में राज्य से चुने जाने के बावजूद, उनमें से किसी ने भी मनरेगा धन जारी करने के संबंध में राज्य का मामला नहीं उठाया। उन्होंने कहा , हमारे (टीएमसी) सांसद जब पिछले साल नवंबर में मनरेगा की धनराशि जारी करने की मांग को लेकर दिल्ली गए थे तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस और भाजपा सांसदों ने गरीबों के लिए क्या किया है? कुछ भी नहीं। लेकिन, बंगाल भीख नहीं मागेगा। मैं आपकी रॉयल बंगाल टाइगर हूं। हमें जितने अधिक सांसद मिलेंगे, उतना अधिक काम होगा। बनर्जी ने सीपीआई (एम) और कांग्रेस पर भाजपा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और लोगों से किसी भी गैर-टीएमसी उम्मीदवार को वोट नहीं देने का आग्रह किया। मैंने ही इंडिया ब्लॉक का नाम दिया था। लेकिन बंगाल में इंडिया गुट नहीं है। हमारे लिए, यह राज्य के बाहर है, अंदर नहीं। ममता बनर्जी ने आगे कहा, ÷पहले चुनाव मई तक समाप्त हो जाते थे, लेकिन इस साल, इसे 1 जून तक बढ़ा दिया गया है ताकि पीएम मोदी सैन्य विमानों पर विभिन्न स्थानों का दौरा कर सकें। जबकि, दूसरी तरफ हमें हेलीकॉप्टर अपने स्वयं की व्यवस्था से जुटाने करने के लिए कहा जा रहा है। इन हेलीकॉप्टरों को भी भाजपा नेता बुक करा रहे हैं ताकि हमें वो भी न मिल सकें। उन्होंने कहा, लोगों को चिलचिलाती गर्मी से काफी असुविधा हो रही है, लेकिन मोदी इससे बेपरवाह हैं क्योंकि वे (भाजपा नेता) सभी सुविधाओं के साथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं।बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग मोदी और उनकी पार्टी के सहयोगियों द्वारा तय की गई लाइन पर चल रहा है। बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में सात चरणों का मतदान 11 अप्रैल से 19 मई तक हुआ था।

न कांग्रेस की रणनीति समझ पा रहीं और न ही राहुल को भुला पा रहीं स्मृति?

अमेठी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा की जुबां पर हमेशा रहते हैं। चुनावी सभा में कोई उन्हे राहुल बाबा कहता है तो कोई शहजादा बताकर उन्हे घेरता है। जब कांग्रेस की परंपरागत सीट रही अमेठी की बात हो तो केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी इस मौके को कैसे छोड़ सकतीं हैं। वे लगातार बार बार राहुल गांधी को घेरने की कोशिश करतीं नजर आ रहीं हैं। भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी की सक्रियता ने चाहे अनचाहे राहुल को फिर से चुनावी केंद्र में ला दिया है। असल में स्मृति ने अपनी हर सभा में राहुल को निशाने पर लेकर, आरोप मढ़कर, भगोड़ा बताकर और गांधी परिवार पर तोहमत मढ़कर आम जन को राहुल रूपी सवाल सौंप दिया है। उनके इस कदम ने कहीं न कहीं अमेठी में राहुल पर नई बहस शुरू कर दी है। यह बहस किस मोड़ पर जाती है, इसका अंदाजा अभी लगाना थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन चुनावी समर में जो मैदान कांग्रेस प्रत्याशी के बिन सूना था वह अब राहुल के नाम से रोमांचित जरूर करने लगा है।

इतना सब होने के बाद भी अमेठी को लेकर कांग्रेस ने अपने पत्ते अभी तक नहीं खोले। वहां से चुनाव कौन लड़ेगा इसकी चिंता कांग्रेस से ज्यादा भाजपा कर रही है। राजनीति के जानकार बताते हैं कि अमेठी में भाजपा की स्मृति एक मजबूत प्रत्याशी हैं तो उन्हे कांग्रेस के उम्मीदवार से क्या लेना देना। वहां कोई भी खड़ा हो जाए। उन्हे तो अपने आप पर भरोसा होना चाहिए। भाजपा न तो कांग्रेस की चुप्पी के मायने समझ रही है और न ही राहुल गांधी की रणनीति। असल में 2019 में राहुल गांधी अमेठी के साथ ही केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़े। अमेठी से भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी से करारी हार मिली, वहीं वायनाड से जीतकर वह संसद पहुंचे। इस बार भी अभी तक राहुल वायनाड से ही मैदान में हैं। उनके अमेठी से चुनाव लड़ने पर संशय बरकरार है। यहां से कभी प्रियंका गांधी तो कभी रॉबर्ट वाड्रा के नाम की चर्चा हो रही है। समीकरण साधने के लिए स्थानीय प्रत्याशी पर भी मंथन चल रहा है। इस सब के बीच कांग्रेस कुछ भी खुलकर बोलने को राजी नहीं है। पार्टी का मौन कार्यकर्ताओं की दुविधा बढ़ाने वाला है।

राहुल गांधी अमेठी से चुनाव हारे। अभी नया राजनीतिक ठिकाना वायनाड है। इस बीच अमेठी से उनका जुड़ाव करीब कट सा गया। 20 फरवरी को यहां पहुंची उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी न उल्लास नजर आया था और न ही कांग्रेस नेताओं में उत्साह। संसदीय चुनाव की रंगत के बीच जब भाजपा ने स्मृति इरानी को

मैदान में उतार मोर्चेबंदी शुरू कर दी है, तो वहीं कांग्रेस में प्रत्याशी पर ही मंथन चल रहा है। हालांकि अमेठी में पांचवें चरण में 26 अप्रैल से नामांकन की शुरुआत होने वाली है। तीन माई नामांकन की अंतिम तिथि है और 20 मई को मतदान। इस सब के बीच अमेठी से दूर रहते हुए भी बीते 15 दिनों से राहुल गांधी फिर चर्चा में हैं। यह कांग्रेस की पहल नहीं, बल्कि भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी की रणनीति का ही प्रतिफल है।

हेमांग पटेल ने सूरत के सामने खेली नाबाद 269 रनों की ऐतिहासिक पारी

■ फाइनल मैच जीतकर रचेंगे इतिहास : क्रिकेट कोच भगू पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। सूरत और कंबाइंड जिले के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम-बी पर खेले जा रहे तीन दिवसीय टेस्ट के सेमीफाइनल मुकाबले का मैच के पहले दिन कंबाइंड टीम ने 6 विकेट पर 458 रन बनाए थे। वहीं मैच के दूसरे दिन कंबाइंड टीम ने खेलना चालू किया और हेमांग पटेल ने सूरत टीम के सभी गेंदबाजों की पिटाई करनी शुरू की और सूरत टीम के सामने आंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा रन बनाकर इतिहास रच दिया। हेमांग पटेल ने अपनी पारी में 212 गेंदों पर 126.89 स्ट्राइक रेट के साथ नाबाद 269 रन बनाए। जिसमें 21 चौके और 16 छक्के शामिल थे। दूसरे खिलाडी निर्भय ने 120 रन, चिराग खत्री ने 63 रन, सुंदरम दिवाकर ने 25 रन बनाए। कंबाइंड जिला टीम ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 610 रन पर घोषित कर दी। सूरत की ओर से सेनील ने 2, सिद्धार्थ ने 3 और युवराज ने 3 विकेट लिये। अपनी पहली पारी में 611 रन का पीछा करने उतरी सूरत की टीम 74.3 ओवरों में 331 रन बनाकर सभी खिलाड़ी आउट हो गये। सूरत की ओर से सिद्धार्थ ने 64, आर्य ने 57 और अर्नोन ने 50 रन बनाए। कंबाइंड टीम की ओर से महिपाल झाला ने 3, सरल प्रजापति ने 3 और चिराग ने 2 विकेट लिये। कंबाइंड की टीम अपनी दूसरी पारी में 279 रनों की बढ़त के साथ मैदान में बल्लेबाजी करने उतरी और 235 रन बनाकर 6 विकेट गवांये। जिसमें उर्वील पटेल ने 65, कप्तान उमंग ने 63 और दर्श धोंडे ने 33 रन बनाए और मैच के तीसरे दिन मध्याहन भोजन के समय दोनों टीमों के कप्तान के आपसी समझौते से मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया। इस प्रकार कंबाइंड जिला की टीम ने पहली पारी की जीत के बदौलत फाइनल में प्रवेश कर लिया है। इस मैच का मैन ऑफ द मैच हेमांग पटेल बने, जिन्होंने ऐतिहासिक 269 रन बनाए। क्रिकेट कोच भगू पटेल ने मैच के बारे में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया है कि गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाले आंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में सूरत के सामने 3 कीर्तिमान हासिल किया गया है। जिसमें पहला अबतक का सबसे ज्यादा ऐतिहासिक 610 रन, दूसरा हेमांग पटेल जो सूरत टीम के सामने पहले ऐसे बल्लेबाज बने जिन्होंने नाबाद 269 रन बनाए, तीसरा लगातार दो साल विजेता रही इस प्रतियोगिता की टीम सूरत को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई है। हेमांग पटेल यह प्रतियोगिता में 4 पारियों में 521 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बना है और वहीं मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर की लिस्ट में भी अपना नाम पहले नंबर पर दर्ज करवाया है। आगे भगू पटेल ने बताया है कि टीम में हेमांग पटेल, कप्तान उमंग, उर्वील पटेल, निर्भय, चिराग और सरल जैसे होनहार खिलाड़ी है जो गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित आंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेड़ा जिला और कंबाइंड जिला के बीच 22 अप्रैल को खेला जाएगा जो कंबाइंड जिले की टीम मैच जीतकर नया इतिहास रचेंगी।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुचरवाड़ा में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 अप्रैल। दीव के बुचरवाडा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के हॉल में वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद गणेश वंदना की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को वार्षिक रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई। जिसमें बुचरवाडा स्कूल में जिला स्तर, राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय की गतिविधियों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बुचरवाडा स्कूल की ओर से गरबा, पिरामिड आदि कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान जिला स्तर, राष्ट्रीय स्तर पर खेल, सांस्कृतिक आदि विभिन्न गतिविधियों में विजेता रहे छात्र और स्कूल में उपस्थित अतिथियों द्वारा पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की गई और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस वार्षिक उत्सव में लाखोत्रा ध्रुविशा रामभाई को स्कूल के सर्वश्रेष्ठ छात्र के रूप में सम्मानित किया गया। ध्रुविशा ने स्कूल का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा अधिकारी आर. के. सिह, एडीआई प्रमोद सोलंकी, मानसिंह बामणिया और विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य मौजूद रहे। गौरतलब है कि बुचरवाड़ा स्कूल, बहुचवाड़ा स्कूल, दगाची स्कूल और फुदम स्कूल सहित तीनों स्कूलों ने मिलकर वार्षिक उत्सव मनाया।

भगवान महावीर के जन्म जयंती पर सिलवासा की सड़कों पर श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली धार्मिक यात्रा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अप्रैल। दादरा नगर हवेली के जैन समुदाय द्वारा भगवान महावीर और जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर के जन्म दिवस पर धार्मिक यात्रा और शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में जैन समुदाय के लोगों के साथ-साथ हिंदू समुदाय के लोगों ने भी भाग लिया। हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर महावीर जयंती मनाई जाती है। इस साल 21 अप्रैल रविवार को महावीर जयंती मनाई गई। जैन ग्रंथों और धार्मिक लिपियों के अनुसार भगवान महावीर का जन्म चैत्र माह (हिंदू कैलेंडर) के शुक्ल पक्ष के 13वें दिन पटना से कुछ किलोमीटर दूर बिहार के कुंडलग्राम (अब कुंडलपुर) में हुआ था। उस समय वैशाली राज्य की राजधानी मानी जाती थी। हालांकि महावीर के जन्म का वर्ष विवादित है। श्वेतांबर जैनियों के अनुसार महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में हुआ था, जबकि दिगंबर जैन 615 ईसा पूर्व को उनका जन्म वर्ष मानते हैं। उनके माता-पिता राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला ने उनका नाम वर्धमान रखा था। श्वेतांबर समुदाय की मान्यताओं के अनुसार महावीर की मां ने 14 सपने देखे थे, जिनकी बाद में ज्योतिषियों ने व्याख्या की, जिनमें से सभी ने कहा कि महावीर या तो सम्राट बनेंगे या ऋषि (तीर्थंकर)। जब महावीर 30 वर्ष के हुए तो उन्होंने सत्य की खोज में अपना सिंहासन और परिवार छोड़ दिया। वह एक तपस्वी के रूप में 12 वर्षों तक निर्वासन में रहे। इस दौरान उन्होंने अहिंसा का प्रचार करते हुए सभी के प्रति श्रद्धा का व्यवहार किया। इंद्रियों को नियंत्रित करने में असाधारण कौशल दिखाने के बाद उन्हें महावीर नाम मिला। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि जब महावीर 72 वर्ष के थे, तब उन्हें ज्ञान (निर्वाण) प्राप्त हुआ। भगवान महावीर ने धर्म को सही दिशा देने के लिए पांच कर्म का सिद्धांत दिया, जिससे पंचशील सिद्धांत कहा गया। महावीर ने दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया। उन्होंने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताए। ये पांच सिद्धांत हैं अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य। सिलवासा के सड़कों पर भगवान महावीर की निकाली गई शोभायात्रा में भारी संख्या में लोगों ने न सिर्फ भाग लिया, बल्कि जगह-जगह इस शोभायात्रा में भाग लेने वाले लोगों के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई। इसी तरह सिलवासा कला केंद्र के सामने अन्नपूर्णा इलेक्ट्रीक के मालिक मुरली प्रसाद और विपिन बागड़ी द्वारा भी जैन धर्म के लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई।

ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी ठोकर, चार की मौत और 24 घायल

मैनपुरी (ईएमएस)। यूपी के मैनपुरी जिले के भोगांव के गांव द्वारिकापुर के पास शनिवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली दो हिस्सों में बंट गई। घायलों की चीखपुकार से आसपास के गांव वाले मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ट्रॉली में दबे लोगों को बाहर निकाल कर जान बचाई। इस दौरान चार महिलाओं की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल भिजवाया। घटनास्थल पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। मिली जानकारी के अनुसार कन्नौज के गांव कुंवरपुर निवासी वीरेंद्र सिंह अपने नाती को देखने के लिए शुक्रवार को परिजन व रिश्तेदारों के साथ बेटी की ससुराल बेलधारा बिछवां आए थे। देर रात तक बेटी के घर मंगल गीत गाए गए। सभी लोग खुश थे, शनिवार की सुबह तड़के सभी लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में घर वापस आने के लिए सवार हो गए थे। बेटी से विदा लेने के बाद वीरेंद्र घर के लिए निकल गए। रास्ते में ट्रैक्टर की लाइट बंद होने लगी तो भोगांव क्षेत्र में द्वारिकापुर के पास चालक आनंद ने गाड़ी को रोक दिया था। वह ट्रक के सामने वीरेंद्र सिंह के साथ खड़ा मरम्मत कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली दो हिस्सों में बंट गई। वीरेंद्र और चालक आनंद काफी दूर जा गिरे। वहीं अन्य लोग ट्रॉली के नीचे दब गए। तो कई छिटक कर सड़क किनारे खेत में जा गिरे। घायलों की चीखपुकार आसपास के गांव तक गूंजी तो ग्रामीण घटनास्थल की ओर आए। ग्रामीणों ने तुरंत ही ट्रॉली में फंसे लोगों को बाहर निकाल कर उनकी जान बचाने के प्रयास शुरू कर दिए। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक गगन कुमार गौड़ भी मौके पर पहुंच गए। एंबुलेंस व अन्य निजी वाहनों से आनन-फानन घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

हादसों में 8 की मौत, छात्र जिंदा जला

जबलपुर (ईएमएस)। रविवार का दिन मध्यप्रदेश के लिए हादसों से दिन रहा। सडक़ हादसों में 8 लोगों की मौत हो गई। जबकि शनिवार रात सलकनपुर धाम से खंडवा लौट रहे तीन लोगों की मौत हो गई। रविवार सुबह जबलपुर में 18 साल का छात्र बाइक के साथ जिंदा जल गया। शहर में ही सुबह 8.30 बजे गेहूं काटने वाला हार्वेस्टर पुलिया से नीचे गिर गया। हरियाणा के रहने वाले तीन लोगों की मौत हो गई, एक घायल है। बड़वानी के सेंधवा में कार की टक्कर से बाइक सवार दंपती और दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। छतरपुर में भाजपा प्रत्याशी की कार की टक्कर से एक बच्ची घायल हो गई।

पश्चिम रेलवे विशेष किराये पर चार जोड़ी समर स्पे शल ट्रेनें चलाएगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर चार जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है: ट्रेन संख्यात 09001/09002 उधना-जयनगर स्पेशल (अनारक्षित) (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09001 उधना-जयनगर स्पेशल रविवार, 21 अप्रैल, 2024 को उधना से 11.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्याल 09002 जयनगर-उधना स्पेशल मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024 को जयनगर से 02.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.30 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान (आगमन 11:40 बजे / प्रस्थान 11:45 बजे), भदोही (आगमन 12.00 बजे / प्रस्थान 12.05 बजे) नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याऽय, बक्सरर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीनपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या। 09091/09092 उधना-जयनगर-गोधरा स्पेशल (अनारक्षित) (02 फेरे) ट्रेन संख्या 09091 उधना-जयनगर स्पेशल रविवार, 21 अप्रैल, 2024 को उधना से 14.25 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 08.25 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्यौ 09092 जयनगर-गोधरा स्पेशल मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024 को जयनगर से 11.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.30 बजे गोधरा पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्यायबय, बक्ससर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्यार 09091 का सूरत (आगमन 11.43 बजे / प्रस्थान 11.48 बजे), सायन, भरूच, वडोदरा और गोधरा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। ट्रेन संख्या 09103/09104 उधना-छपरा स्पेशल (अनारक्षित) (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09103 उधना-छपरा स्पेशल रविवार, 21 अप्रैल, 2024 को उधना से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 09.30 बजे छपरा पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09104 छपरा-उधना स्पेशल मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024 को छपरा से 12.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22.30 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत (आगमन 22.15 बजे / प्रस्थान 22.20 बजे), सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सौगोर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, वाराणसी, जौनपुर और बलिया स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09423/09424 साबरमती-सुल्तानपुर स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09423 साबरमती-सुल्तानपुर स्पेशल सोमवार को साबरमती से 00.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 02.00 बजे सुल्तानपुर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्याम 09424 सुल्तानपुर-साबरमती स्पेशल मंगलवार, 23 अप्रैल, 2024 को सुल्तानपुर से 05.00 बजे रवाना होगी और अगले दिन 07.00 बजे साबरमती पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, अछनेरा, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल और लखनऊ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टीयर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09423 की बुकिंग 21 अप्रैल, 2024, 10.00 बजे से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

संघ प्रदेश दादरा एंव नगर हवेली तथा दमण एवं दीव,
निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय,
समाहर्तालय, मोटी दमण - 396220

सं:IP/DMN/MCMC/LOKSABHA2024/41 **दिनांक : 20/04/2024**

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा प्रदेश के सभी नागरिकों को सूचित किया जाता है कि भारत के चुनाव आयोग ने 1. दमण एवं दीव संसदीय क्षेत्र के आगामी लोकसभा आम चुनाव - 2024, दमण जिले के लिए चुनाव पर्यवेक्षक / Election Observer नियुक्त किये गए हैं जिसके विवरण निम्नलिखित हैं;

क्र. सं.	चुनाव पर्यवेक्षक	सम्पर्क करने का विवरण
1	**Ms. Vasireddi Vijaya Jyothsna, I.A.S.,** General Observer, Contact : +91 96017 61055	**Office Add:** 6th Floor, PWD Multicomplex, Moti Daman – 396220.
2	**Ms. Alankrutha Attaluri. I.R.S.,** Expenditure Observer, Contact: +91 96015 23435	
3	**Ms. Sangeeta Kalia, I.P.S.,** Police Observer, Contact: +91 84013 83619	**Office Add:** Police Headquarters, Airport Road, Nani Daman – 396210.

मतदाताओं को सूचित किया जाता है कि निर्वाचन से जुड़ी शिकायतें एवं निराकरण हेतु चुनाव पर्यवेक्षक/Election Observer प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक (सार्वजनिक अवकाश छोड़कर) ऊपर दर्शाये गए पते पर उपलब्ध रहेंगे। मतदाता किसी भी शिकायत को लेकर उनके मोबाईल नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं।

(प्रियांशु सिंह),
ए.आर.ओ/उप समाहर्ता,
दमण।

आखिर क्यों धधक रही है पृथ्वी?

योगेश कुमार गोयल

अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चचाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चचाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं।

प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत दे रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि बड़ी बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने

से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर बहुचर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल के लेखक हैं)

संपादकीय

जनादेश की गारंटी

सर्वोच्च न्यायालय ने लोक सभा सभा के प्रथम चरण के मतदान से एक दिन पहले चुनावी मशीन की विसनीयता के बारे में यही कहा। एडीआर और अन्य की तरफ से जारी जनहित याचिकाओं पर दूसरे दिन सुनवाई करते हुए ईलेक्ट्रिक वोटिंग मशीन पर संदेह जताने को सही नहीं बताया। इस पर फैसला अभी आना है। पर इन टिप्पणियों से ईवीएम पर न्यायालय के रु ख का पता चलता है। स्वदेश निर्मित ईवीएम मशीन से चुनाव बीसवीं सदी के नौवें दशक से ही कराया जा रहा है। इसके पहले, 1982 में केरल की परवूर विधानसभा उपचुनाव में उसे कुछ बूथों पर आजमाया गया था। इसकी खामियों को दुरु स्त कर इसे प्रयोग-सक्षम बनाया गया। ईवीएम के जरिए यूपीए ने दो आम चुनाव जीते हैं और केंद्र में उनकी दो सरकारें बनी हैं। इसके पहले एनडीए की भी सरकार बनी है। विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव ईवीएम से ही हुए हैं। इसके बावजूद हारे हुए दल या गठबंधन हर आम चुनाव के वक्त ईवीएम को हटाने या उसे वीवीपीएटी से लैस करने की मांग चुनाव आयोग से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक करते रहे हैं। आयोग की तरफ से हर चुनाव के पहले उनके समक्ष ईवीएम के फूलप्रूफ डेमो के जरिए चिंताओं के निराकरण के बावजूद सवाल उठाते रहना एक रस्मी कवायद है। उनका आरोप होता है कि इसमें डाले गए वोट भाजपा को मिलते हैं। पहले के कुछ उदाहरण इसकी तस्दीक भी करते थे पर यह तो मशीनी गड़बड़ी हो सकती थी। अब तो इसमें पर्याप्त सुधार किया गया है। तभी तो सर्वोच्च न्यायालय ने चार करोड़ टेस्टेड डेटा पर अपना भरोसा जताया है। यह सही भी है। ऐसा नहीं होता तो यूपीए ही लगातार जीतता होता या एनडीए का राज बदस्तूर रहता। दलों को चुनावों में इतना पैसा और पसीना नहीं बहाना पड़ता। ईवीएम अपने आका को तश्तरी में नतीजे परोस देती। न्यायालय ने रस्मी याचियों से स्पष्ट कर दिया है कि बैलेट पेपर और बक्से की झीना-झपटी वाले प्रतिगामी चुनावी दौर में भारत जैसे महादेशइ को नहीं लौटाया जा सकता। यह जर्मनी नहीं है। अलबत्ता, इस मसले पर फिर उंगली न उठे इस लिहाजन हर वोट का हिसाब रखने के लिए ईवीएम को वीवीपीएटी के साथ जोड? पर विचार किया जा सकता है। अंतिम परिणाम में देरी के बावजूद। चुनाव बिल्कुल शुद्ध-पवित्र तरीके से होना चाहिए ताकि उसके जनादेश की गारंटीइ हो। सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी में अवाम का मत है।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

डॉ. दिलीप चौबे

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं। वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

झूठ के हलफनामे और हलफनामों का झूठ

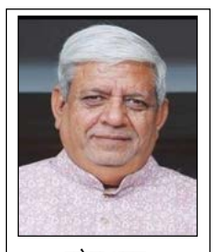

राकेश अचल

भारत के नेता कितना झूठ बोल सकते हैं ,इसकी कल्पना दुनिया का कोई मनोवैज्ञानिक,चिकित्स्क या वैज्ञानिक नहीं कर सकता । भारत के नेताओं की पोल उस वक्त खुलती है जब देश में चुनाव होते है। देश में इस समय लोकसभा के चुनाव चल रहे है। इन चुनावों में जो प्रत्याशी हैं उनके सम्पत्ति के बाबद दिए जा रहे हलफनामें देखकर हंसी आती है। लेकिन केंचुआ के पास ऐसी कोई दूरबीन नहीं है जो इन हलफनामों की जांच कर सके। इस मामले में सभी दलों के नेता एक से बढ़कर एक हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा का नेतृत्व करने वाले देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह के हलफनामे से ही बात शुरू करते हैं। गांधीनगर से भाजपा उम्मीदवार और गृह मंत्री अमित शाह के पास 20 करोड़ की चल और 16 करोड़ की अचल संपत्ति है लेकिन शाह के पास खुद की कार नहीं है। आयोग में दाखिल चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 72 लाख के गहने हैं। इनमें उनके खरीदे हुए सिर्फ 8.76 लाख के हैं। पत्नी के पास सोने के 1620 ग्राम और हीरे के 63 कैरेट के गहने हैं।गृह मंत्री के पास 24,164 रुपये नकद, 42 लाख का लोन भी। शाह साहब करोड़पति होकर भी कार क्यों नहीं खरीद पाए ये एक रहस्य है। इसका उद्घाटन वे खुद कर सकते हैं या राम जी।

कहते हैं कि राजनीति में आने से पहले वे मनसा में प्लास्टिक के पाइप का पारिवारिक व्यवसाय संभालते थे। वे बहुत कम उम्र में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए थे। 1982 में उनके अपने कॉलेज के दिनों में शाह की भेंट नरेंद्र मोदी से हुई। 1983 में वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े और इस तरह उनका छात्र जीवन में राजनीतिक रुझान बना।शाह साहब 1997 सेचुनाव लड़ रहे है। पहले वे विधायक हुआ करते थे,अब देश के गृहमंत्री है। उनका खानदानी पेशा दलाली [ब्रोकरेज] का है। शाह जी ने अब तक 5 विधानसभा चुनाव लाडे और जीत। लोकसभा का पहला चुनाव उन्होंने 2019 में लड़ा और जीते,जीते ही नहीं सीधे गृहमंत्री भी बनाये गए ,लेकिन बेचारे 27 साल में एक कार नहीं खरीद पाए।

अब आपको मै पूरे 543 नेताओं के हलफनामे तो दिखा नहीं सकता किन्तु जो दिलचस्प हैं उनकी बात अवश्य करता हूँ । अल्पसंख्यकों के नेता औबेसी का चुनावी हलफनामा औबेसी की सम्पत्ति का खुलासा करता है। चुनाव आयोग में भरे अपने हलफनामे में असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी संपत्ति को लेकर खुलासा किया है. इसके मुताबिक उनके पास 2.80 करोड़ रुपए की चल संपत्ति हैं. इसमें कैश, सोना, बीमा जैसे चीजें शामिल हैं। ओवैसी की पत्नी के नाम पर 15.71लाख रुपए की चल संपत्ति दर्शाई गई है , जबकि उनके पास 16.01 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति भी है। 1994 से चुनावी राजनीति में सक्रिय औबेसी ओवैसी पर 7 करोड़ रुपए का लोन भी है। उन्होंने एक घर लोन पर लिया है जिसकी कीमत 3.85 करोड़ रुपए है।

सबसे दिलचस्प हलफनामा मध्यप्रदेश के 18 साल मुख्यमंत्री रहे मामा शिवराज सिंह चौहान का है।विदिशा लोकसभा के बीजेपी प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने वाले शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में बताया है कि उनके पास 1,24,85,475 रुपये की चल और 2,17,60,000 रुपये की अचल संपत्ति है. शिवराज की पत्नी साधना सिंह की संपत्ति भी 5 महीनों में 15 लाख रुपए बढ़ी है. अगर नकदी की बात करें तो शिवराज सिंह चौहान के पास कुल 2 लाख 5 हजार रुपये नकद हैं, वहीं उनकी पत्नी साधना सिंह के पास करीब 1 लाख 65 हजार रुपये नकद हैं. शिवराज सिंह चौहान के पास कोई कर्ज भार नहीं है, वहीं उनकी पत्नी साधना सिंह के ऊपर करीब 64 लाख रुपये का कर्ज है। मजे की बात ये की हमारे मामा के पास भी कोई कार नहीं है। मामा कार लेकर करते भी क्या? उन्होंने तो पूरे १८ साल सरकारी हवाई जहाज और हैलीकाप्टर को स्कूटर की तरह जोता था।

हमारे देश में गरीबी अभिशाप और अमीरी वरदान है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों के हलफनामे देखकर आप चौंक सकते है। लेकिन मै आपको अभी तक आये हलफनामों के आधार पर बता सकता हूँ कि सबसे अमीर और सबसे गरीब प्रत्याशी कौन रहा । केंचुआ के आंकड़ों के मुताबिक सबसे अमीर उम्मीदवार मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से मौजूदा सांसद और कांग्रेस नेता नकुल नाथ हैं। वे मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे हैं और उनके पास 716 करोड़ रुपये की सम्पत्ति है। 2019 के लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ मध्य प्रदेश से जीतने वाले इकलौते उम्मीदवार थे। दूसरी ओर, तमिलनाडु के थूथुकुडी से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पोनराज के सबसे गरीब उम्मीदवार हैं, क्योंकि चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास सिर्फ 320 रुपये की संपत्ति है।

भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहां गरीब से गरीब और अमीर से अमीर व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है। लोग बेकार ही चुनाव लड़ने के लिए इलेक्टोरल बांड के फेर में पड़ते हैं। हमारे शहर ग्वालियर से चाय बेचने वाले एक सज्जन सिर्फ इसलिए लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं कि कहीं उन्हें भी मोदी जी की तरह कोई मौका मिल जाये। जाहिर है कि जितने भी प्रत्याशी हैं वे चुनाव आयोग की ही नहीं बल्कि देश की जनता की आँखों में धुल झोंकते हुए अपनी समपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करते हैं। लेकिन इन हलफनामों की न किसी ने शिकायत की और न कभी किसी ईडी या किसी अदालत ने स्वयं संज्ञान लेकर इनकी जांच करने की जरूरत समझी। इस मामले में अज्ञानी रहने में ही समझदारी है। हमारे यहां झूठी हलफ उठाने की पुरानी रिवायत है । लोग चुनाव लड़ते हैं तो संविधान की हलफ उठाते हैं और जब पंचायतों में जाते हैं तो गंगाजल को हाथ में लेकर हलफ उठाते हैं ,लेकिन सच कभी नहीं बोलते। नेताओं का सच तो लाइ डिटेक्टर मशीन भी नहीं उगलवा पाती । हलफनामें केवल देने के लिए होते हैं और गंगाजल हलफ उठाने के लिए। अदालतों में पवित्र गीता के नाम पर हलफ उठाई जाती है। इसके पीछे भी यदि सरकार खोज कराये तो पाएगी कि किसी सनातनी का दिमाग होगा ,अन्यथा अदालतों में हलफ उठाने के लिए गीता के साथ ही रामायण,कुरान ,बाइबल और गुरु ग्रन्थ साहिब को भी सूची में शामिल न किया जाता।

वैश्विकी : संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन

डॉ. दिलीप चौबे

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता को लेकर रखा गया प्रस्ताव अमेरिका के वीटो के कारण पारित नहीं हो सका। प्रस्ताव के पक्ष में बारह मत पड़े और केवल अमेरिका ने इसके विरोध में वोट दिया। ब्रिटेन और स्विटजरलैंड ने मतदान में भाग नहीं लिया। जातीय एकजुटता के कारण ब्रिटेन अमेरिका का विरोध नहीं कर सकता लेकिन स्विटजरलैंड का रवैया विचारणीय है। स्विटजरलैंड आम तौर पर पूरी तरह तटस्थता का रवैया अपनाता रहा है, लेकिन फिलिस्तीन की सदस्यता पर उसका मौन रहना समझ से परे है। इससे यह पता लगता है कि यूक्रेन संघर्ष के बाद दुनिया में शांति की बजाय युद्ध की भावना बलवती हो रही है। अमेरिका के दबाव में जापान और स्कैंडिनेवियाई देशों स्वीडन और नाव्रे जैसे देशों ने भी संघर्ष और युद्ध की मनोवृत्ति को अपनी विदेश नीति का मानो हिस्सा बना लिया है।

करीब पैंतीस हजार लोगों की मौत और लाखों लोगों के घायल होने के बावजूद अमेरिका मानवीय रवैया अपनाने की बजाय इजराइल के युद्ध प्रयासों का समर्थन कर रहा है। दो राज्यों (इजराइल और फिलिस्तीन) की स्थापना के पक्ष में बयानबाजी करने के बावजूद यह जाहिर है कि अमेरिका का सत्ता प्रतिष्ठान इजराइल की ही तरह स्वतंत्र फिलिस्तीन के पक्ष में नहीं है। राष्ट्रपति चुनाव के दौर में मतदाताओं के दबाव में बाइडन प्रशासन फिलिस्तीन में मानवीय संकट को लेकर बयानबाजी अवश्य कर रहा है, लेकिन कोई ठोस कदम उठाने में दिलचस्पी नहीं रखता। अमेरिका में फिलिस्तीन के पक्ष में युवा वर्ग और छात्र समुदाय सड़कों पर उतरा है। लेकिन सत्ता प्रतिष्ठान इसे लगातार नजरअंदाज करता रहा है।

कुछ विश्लेषक आरोप लगाते हैं कि अमेरिका में 'यहूदी लॉबी' हावी है। कोई भी राष्ट्रपति इस लॉबी का विरोध नहीं कर सकता। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य के पूरी तरह खिलाफ हैं। निकट भविष्य में कभी फिलिस्तीन पूर्ण एवं स्वतंत्र राज्य बन सकेगा, इसकी संभावना नहीं है। इस बीच, पश्चिम एशिया में संघर्ष के इस मुख्य मुद्दे का समाधान हो सकेगा, इसकी संभावना अभी नहीं है।

ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष ने पश्चिम एशिया के पूरे परिदृश्य को भयावह कर दिया है। चिंता की बात यह है कि अमेरिका में राजनीतिक नेतृत्व अब ईरान-रूस-चीन के शैतानी त्रिगुट की बात कर रहा है। इसमें उत्तर कोरिया को भी शामिल किया जा सकता है जिसके बाद यह शैतानी क्वाड बन जाएगा। एक क्षेत्रीय मुद्दा विश्व नेताओं की लापरवाही के कारण किस तरह विश्वव्यापी अशांति का कारण बन सकता है, इसका यह सटीक उदाहरण है। फिलहाल, ईरान और इजराइल के बीच अखाड़े में युद्ध का पहला राउंड खत्म हो गया है और दोनों पहलवान सुस्ताने की मुद्रा में हैं। पूरी संभावना है कि पूरे दम-खम के साथ वे फिर अखाड़े में उतरेंगे। विश्व समुदाय दर्शक गैलरी से तब तक तमाशा देखेगा जब तक कि यह भयावह खेल उनके लिए प्रत्यक्ष खतरा नहीं बनता।

हाल के महीनों में रूस ने इजराइल के खिलाफ तीखे तेवर अपनाए हैं। उसने इजराइल के विरुद्ध प्रतिबंध लगाने तक की मांग की है। वास्तव में रूस इजराइल से अधिक उसके पैरोकार अमेरिका को निशाना बना रहा है। भारत ने ईरान और इजराइल के संघर्ष में अपनी संतुलन की नीति को कायम रखा है। जिहादी आतंकवाद का सामना करने वाला भारत इजराइल का एक स्वाभाविक सहयोगी है, लेकिन साथ ही भारत ग्लोबल साउथ के अन्य देशों की तरह फिलिस्तीन का समर्थक भी है। ईरान के बारे में भी भारत इजराइल का साथ देने की स्थिति में नहीं है।

ईरान में इस्लामी क्रांति के बावजूद भारत और ईरान एक ही सभ्यागत भू-भाग के हिस्से हैं। सभ्यता और संस्कृति की दृष्टि से अरब देशों की तुलना में ईरान हमारे अधिक नजदीक है। साथ ही, मध्य एशिया और रूस तक संपर्क सुविधा के लिहाज से भी ईरान का केंद्रीय महत्त्व है। ईरान में चाबहार बंदरगाह का एक हिस्सा भारत संचालित करता है। अंतरराष्ट्रीय दक्षिण-उत्तर परिवहन गलियारा इसी बंदरगाह पर निर्भर है। अमेरिका यदि चाबहार बंदरगाह के संदर्भ में प्रतिबंध लगाता है, तो यह भारत के लिए बहुत चिंता की बात होगी।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस में मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स की टीम आईपीएल में सोमवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी। इस मैच में नंबर एक स्थान पर चल रही राजस्थान का पलड़ा भारी है क्योंकि उसे अपने घरेलू मैदान का भी लाभ होगा। टीम ने अब तक 7 मैचों में 6 मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर है। टीम का प्लेऑफ में पहुंचना तय है। वहीं दूसरी ओर हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। मुम्बई की टीम ने अब तक 3 मुकाबले ही जीते हैं। 3 जीत हासिल की है।

यह इस सत्र का आखिरी मुकाबला होगा। अभी तक यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी रही है। इसमें किसी भी मैच में 200 का स्कोर नहीं बना। यहां 197 का लक्ष्य भी हासिल हो चुका है। ऐसे में पिच एक बार फिर बल्लेबाजी के लिए आसान होने वाली है। यही वजह है कि 200 रन बनने पर किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। पहले गेंदबाजी यहां लाभदायक होगी।

जयपुर में तेज गरमी से खिलाड़ियों के लिए खेलना आसान नहीं रहेगा। इस मैच में राजस्थान की बल्लेबाजी सैमसन के अलावा पराग , जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल पर आधारित रहेंगी। टीम के पास ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाज हैं।

मुंबई की बल्लेबाजी पंड्या के अलावा रोहित शर्मा और सूर्यकुमार पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

टीम

राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, आवेश खान , रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियन और केशव महाराज।

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेराल्ड कोएट्जी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, इशान किशन, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, हार्विक देसाई, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

30 की उम्र में मुगुरुजा ने टेनिस को अलविदा कहा

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन की महिला टेनिस स्टार गार्बाइन मुगुरुजा ने खेल को अलविदा कह दिया है। 30 साल की मुगुरुजा पिछले काफी समय से खेल से दूर थीं। इसी कारण उन्होंने अचानक ही ये कदम उठाया है। वह दो बार मेजर चैम्पियनशिप जीती हैं। 2015 विम्बलडन के अलावा वह 2020 ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उप विजेता रही थीं।वह जनवरी 2023 के बाद से खेल से बाहर हैं इसी कारण इस खिलाड़ी की लय भी पहले वाली नहीं रही। इस पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि अब संन्यास लेने और नई राह पकड़ने का समय आ गया है।

मुगुरुजा ने साल 2016 फ्रेंच ओपन फाइनल में सेरेना विलियम्स और साल 2017 विम्बलडन फाइनल में वीनस विलियम्स को हराया था। वह एकमात्र खिलाड़ी हैं जो दोनों विलियम्स बहनों को हराने में सफल हुई हैं। उन्होंने अपनी करियर में 10 खिताब रहे हैं। मुगुरुजा महिला टेनिस स्पेन की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रही हैं। उन्हें साथ खिलाड़ियों ने भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की घोषणा शीघ्र करेगा बीसीसीआई

-27 या 28 अप्रैल को कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक करेंगे चयनकर्ता

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए शीघ्र ही टीम की घोषणा करेगा। बीसीसीआई को टी20 विश्वकप के लिए आईसीसी को खिलाड़ियों की सूची एक मई तक देनी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इसके लिए चयनकर्ता 27 या 28 अप्रैल को दिल्ली में कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक कर सकते हैं.

बीसीसीआई प्रमुख अजीत अगरकर भी विदेश से लौट गये हैं। टीम चयन को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस रिपोर्ट के अनुसार टीम में 10 खिलाड़ियों का चयन पक्का है, वहीं कुछ खिलाड़ियों पर फैसला उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। टीम में शामिल दस खिलाड़ियों में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या शामिल नहीं हैं। पंड्या को गेंदबाजी किये जाने की स्थिति में ही शामिल किया जाएगा। आईपीएल सत्र में अब तक पंड्या अधिक गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। टीम इस प्रकार होने की संभावना है।

रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव आदि, वहीं पंड्या की टी20 विश्व कप में जगह आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर आधारित रहेगी। चयनकर्ता हार्दिक के प्रदर्शन पर नजरें रखें हुए हैं। आईपीएल के इस सत्र में अभी तक वह विफल रहे हैं। भारतीय टीम टी20 विश्व कप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगी।

बेंगलुरु की लगातार छठी हार, रोमांचक मुकाबले में कोलकाता ने एक रन से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल 2024 के 36वें मैच में एक रन से जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही अब आरसीबी की प्लेऑफ की उम्मीदें भी खत्म होती आ रही हैं क्योंकि यह उनकी छठी हार थी। फिल सॉल्ट की आक्रामक शुरुआत के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर की अर्धशतकीय पारी से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ छह विकेट पर 222 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में शानदार बल्लेबाजी के बावजूद विल जैक्स (55) और रजत पाटीदार (52) के अर्धशतकों के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सॉल्ट और सुनील नारायण (10) ने एक बार फिर टीम को तूफानी शुरुआत दिलाते हुए चार ओवर में 55 रन जोड़ दिये। इस दौरान सॉल्ट ज्यादा आक्रामक दिखे। उन्होंने पहले ओवर में सिराज का छक्के से स्वागत करने के बाद चौथे ओवर में फर्ग्यूसन के खिलाफ दो छक्के और चार चौके की मदद से 28 रन बटोरे। सिराज ने पांचवें ओवर में हालांकि उनकी आतिशी पारी को खत्म कर टीम को बड़ी सफलता दिलाई। अगले ओवर में नारायण दयाल की गेंद को हवा में लहराकर विराट कोहली को कैच दे बैठे।

वेंकटेश अय्यर ने क्रीज पर आते ही दो चौके जड़े लेकिन दयाल ने अंगकृष रघुवंशी को आउट कर ओवर में दूसरी सफलता दर्ज की। पावर प्ले के बाद केकेआर का स्कोर तीन विकेट पर 75 रन था। कप्तान श्रेयस अय्यर ने फर्ग्यूसन और कर्ण शर्मा पर चौके के साथ हाथ खोला तो वहीं नौवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आये ग्रीन की शॉट गेंद को वेंकटेश लांग लेग की दिशा में खड़े महिपाल लोमरोर के हाथों में खेल गये। इसी ओवर में रिंकू सिंह के चौके से केकेआर ने रनों का शतक पूरा किया। श्रेयस के साथ कुछ ओवरों तक संभल कर बल्लेबाजी करने के बाद रिंकू ने कर्ण की गेंद को दर्शकों के पास भेजा लेकिन वह दयाल की धीमी गेंद से सामंजस्य नहीं बिठा सके और 16 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हो गए।

श्रेयस ने इसी बीच कर्ण के खिलाफ स्विच हिट पर शानदार चौका जड़ने के बाद 17वें ओवर में दयाल के खिलाफ छक्का और चौका लगाकर 35 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में ग्रीन की गेंद पर डुप्लेसी को कैच थमा बैठे। रसेल ने ओवर का समापन चौके से किया तो वहीं रमनदीप ने 19वें ओवर में सिराज के खिलाफ लगातार दो छक्के और चौका लगाकर केकेआर के स्कोर को 200 के पार पहुंचा दिया।

नौकायन में बलराज को मिला पेरिस ओलंपिक टिकट

चुंगजू । भारत के बलराज पंवार ने एशियाई और ओसनियाई रोइंग ओलंपिक क्वालिफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल्स (एम1एक्स) स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। इस जीत के साथ ही बलराज ने ओलंपिक टिकट भी हासिल कर लिया है। वह नौकायन से ओलंपिक टिकट हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं। बलराज ने दक्षिण कोरिया के चुंगजू में आयोजित स्पर्धा में हीट में 7-17.87 और सेमीफाइनल में 7-16.29 का समय निकालकर फाइनल में जगह बनायी। बलराज इस स्पर्धा में 7-01.27 का समय निकालकर तीसरे स्थान पर रहे। वहीं कजाकिस्तान के व्लादिस्लाव याकोवलेव ने 6-59.46 का समय निकालकर स्वर्ण जबकि इंडोनेशिया के मेमो ने 6-59.74 का समय निकालकर रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा अरविंद सिंह और उज्जवल कुमार ने भी पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स (एलएम2एक्स) में कांस्य पदक हासिल किया। इस स्पर्धा में केवल शीर्ष दो खिलाड़ियों को ही पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिला। अरविंद और अर्जुन लाल ने फाइनल रेस में 6-30.11 का समय निकलकर पहले रेपेचेज के जरिए फाइनल में स्थान बनाया।

आईपीएल में 300 रन भी बनने हुए दिखें तो कोई हैरानी नहीं होनी चाहिये : कार्तिक

कोलकाता । अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि जिस प्रकार से सनराइजर्स हैदराबाद के साथ ही कुछ अन्य टीमों के बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उससे आने वाले दिनों में 300 रन भी बनने हुए दिखें तो कोई हैरानी नहीं होनी चाहिये। कार्तिक के अनुसार अब बल्लेबाजों के मन में गेंदबाजों का डर नहीं रहा है। आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर सनराइजर्स हैदराबाद ने इस सत्र में 287 रनों का बनाया है। ये उसने रॉयल चैलेंजर्स बेगलुरु के खिलाफ तीन विकेट पर ही बना दिया था। वहीं टी20 में 300 रन केवल एक बार ही नेपाल ने पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ तीन विकेट पर 314 रन बनाये थे। कार्तिक ने कहा, ''मुझे लगता है कि स्कोर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। यह बहुत ऊपर आता जा रहा है। वहीं दुनिया भर में इस प्रारूप में खेले जा रहे टूर्नामेंट के इतिहास में आईपीएल के पहले 32 मैच में सबसे ज्यादा 250 रन बने हैं। इससे पता चलता है कि बल्लेबाजा अब गेंदबाजों से डर नहीं रहे हैं। साथ ही कहा कि 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम के कारण भी टीम की बल्लेबाजी आक्रामक हुई है। इस नियम से बल्लेबाजी में लाभ हो रहा है लेकिन गेंदबाजों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। युवा खिलाड़ी शॉट खेलने के लिए सीमाएं लांघ रहें और वे कुछ शानदार शॉट्स खेल रहे हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से ही ये सबसे बड़ा बदलाव आया है।

विनेश, रीतिका और अंशु ने भारत के लिए हासिल किया पेरिस ओलंपिक कोटा

रावलपिंडी (एजेंसी)। बिश्केक (किर्गिस्तान) - भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन करने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत वापसी करते हुए भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में दमदार प्रदर्शन के बूते महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया।

अंशु मलिक (57 किग्रा) और अंडर-23 विश्व चैम्पियन रीतिका (76 किग्रा) ने भी मजबूत प्रदर्शन से फाइनल में पहुंचकर पेरिस ओलंपिक के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया। भारत ने अब पेरिस ओलंपिक के लिए चार कोटे हासिल कर लिए हैं। सबसे पहले अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर 53 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल किया था।

यह देखना दिलचस्प होगा कि डब्ल्यूएफआई कोटा विजेताओं को भारत का प्रतिनिधित्व करने देता है या राष्ट्रीय कुश्ती टीम चुनने के लिए अंतिम चयन ट्रायल आयोजित करता है। तोक्यो ओलंपिक में भारत ने सात पहलवानों की एक मजबूत टीम उतारी थी जिसमें चार महिलाएं सीमा बिस्ला (50 किग्रा), विनेश (53 किग्रा), अंशु (57 किग्रा) और सोनम मलिक (62 किग्रा) शामिल थीं। अभी तक किसी भी पुरुष पहलवान ने पेरिस कोटा हासिल नहीं किया है। पेरिस ओलंपिक का आखिरी विश्व क्वालीफायर तुर्की में नौ मई से खेला जाएगा।

यह 29 साल की विनेश का लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा है। उन्होंने इससे पहले रियो ओलंपिक (2016) और तोक्यो ओलंपिक (2020) में भी हिस्सा लिया था। विनेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी। उन्होंने पहले कोरियाई प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकंड तक चले मुकाबले में हराया। उनकी मजबूत पकड़ का विरोधी के पास कोई जवाब नहीं था। अगले मुकाबले में उन्होंने 67 सेकंड में कंबोडिया की एसमानांग डिट को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में कजाखस्तान की 19 साल की पहलवान लौरा गानिकिजी ने उनके सामने थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस भारतीय पहलवान ने अपने अनुभव का इस्तेमाल कर युवा प्रतिद्वंद्वी को मात दी। विनेश पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी और इस टूर्नामेंट में वह पहली बार दूसरे पीरियड तक पहुंची। एक बार दबदबा बनाने के बाद विनेश को उसे हराने में कोई परेशानी नहीं हुई। चयन ट्रायल जीतने के बाद विनेश 50 किलोवर्ग में खेल रही है। फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों को अपने देश के लिए कोटा मिलेगा।

विश्व चैम्पियनशिप 2021 रजत पदक विजेता अंशु को क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिसमें उसने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिम्बेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंशु ने सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की लेलोखोव सोबोईरोवा पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। अंडर 23 विश्व चैम्पियन रीतिका (76 किलो) ने युंजू हवांग को हराया। पहला दौर उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता पर जीता। इसके बाद मंगोलिया की दावानासान एंख एमार को भी इसी तरह से मात दी।

चीन की जुआंग वांग के खिलाफ आखिरी ग्रुप मुकाबले में उन्होंने 8.2 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में रीतिका ने चीनी ताइपे की हुई सिज चांग पर आसानी से 7-0 से जीत हासिल की। मानसी अहलावत (62 किलो) भी अंतिम चार में पहुंच गई जिसके लिए उन्हें महज एक मुकाबला जीतने की जरूरत थी। उन्होंने कजाखस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6.4 से हराया। सिर्फ एक भारतीय पहलवान निशा दहिया (68 किलो) सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। उन्होंने पहले दौर में उत्तर कोरिया की सोल गुम पाक को 8.3 से हराया। इसके बाद किर्गिस्तान की मीरिम जुमानाजारोवा से हार गई। तीसरे दौर में किर्गिस्तान की येलेना शालिगिना ने उन्हें हरा दिया।

पाक ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 में हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

लाहौर। बाबर आजम की कप्तानी में उतरी पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 मैच में हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पाक टीम ने सीरीज के दूसरे टी20 मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड को 90 रनों पर ही आउट कर आसानी से जीत हासिल की। पाकिस्तान ने कीवी टीम को 90 पर आउट करने के बाद जीत का लक्ष्य 12.1 ओवर में 3 विकेट पह ही हासिल कर लिया। सीरीज का पहला टी20 मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। दूसरे टी20 मैच में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी और मोहम्मद आमिर के बाद शादाब खान और अबरार अहमद ने जबरदस्त गेंदबाजी की। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। युवा सलामी बल्लेबाज सैम अयूब 4 रन बनाकर ही आउट हो गये। इसके बाद कप्तान बाबर आजम भी विफल रहे। बाबर 14 रन ही बना पाये। इसके बाद मोहम्मद रिजवान और युवा इरफान खान ने अच्छी साझेदार कर अपनी टीम को जीत दिलायी। रिजवान ने 34 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाए जबकि इरफान खान 18 रन नाबाद रहे। वहीं कीवी टीम की ओर से बेन लिस्टर, माइकल ब्रेसवेल और ईश सोढ़ी ने एक एक खिलाड़ी को आउट किया। इस मैच में पाक ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेहमान टीम 18.1 ओवर में ही 90 रनों पर ही आउट हो गयी। मार्क चैपमैन ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाये जबकि कोले मैककोंची ने 13 रन बनाए। न्यूजीलैंड की शुरआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज ओपनर टिम सेइफर्ट शुरआत में ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद उसके विकेट एक के बाद एक गिरते चले गये।

शमी ने वीडियो जारी कर कहा, उन्हें जल्द टीम में वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली । अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टखने की सर्जरी के बाद अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया का वीडियो साझा कर जल्द ही मैदान पर वापसी की उम्मीद जाहिर की। शमी ने दर्द के बावजूद पिछले साल वनडे विश्व कप में भाग लिया था। वह 24 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज साबित हुए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल मैच के बाद से चोट के कारण शमी खेल से दूर है। उन्हें इस साल फरवरी में सर्जरी करानी पड़ी। शमी ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, '' चोट आपको परिभाषित नहीं करतीं, आपकी वापसी आपको परिभाषित करती है। मैं अपनी टीम के साथ जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं।'' विश्व कप के बाद से शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद घरेलू सरजमीं पर अफगानिस्तान (टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला) और इंग्लैंड (टेस्ट श्रृंखला) के खिलाफ खेलने से चूक गए। टखने की सर्जरी के कारण वह आईपीएल के मौजूदा सत्र से बाहर है। शमी ने गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो सत्र (2022 और 2023) में 33 मैचों में 48 विकेट लिये हैं।

अगले चार महीनों में वजन प्रबंधन करना चुनौती होगी: विनेश फोगाट

कोलकाता (एजेंसी)। बिश्केश - ओलंपिक कोटा हासिल कर राहत महसूस कर रही विनेश फोगाट का मानना है कि पेरिस खेलों की तैयारी के लिए 50 किग्रा के सबसे निचले वर्ग में अपना वजन बनाये रखना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा। विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने बिना अंक गंवाये अपना लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा पक्का कर लिया।

विनेश भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के विरोध के कारण लगभग डेढ़ साल तक नियमित अभ्यास और खेल से दूर रही। इस दौरान अंतिम पंघाल ने 53 किग्रा वर्ग में कोटा स्थान हासिल कर लिया। विनेश लंबे समय से इसी भार वर्ग में चुनौती पेश करते रही है। देश की सबसे सफल महिला पहलवान के पास ओलंपिक कोटा सुनिश्चित करने के लिए वजन वर्ग बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

विनेश ने 50 किग्रा वर्ग में कोटा सुनिश्चित करने के बाद कहा, 'मुझे अपने वजन को बेहतर तरीके से प्रबंधित करना होगा। मैंने इतने लंबे समय के बाद अपने वजन को कम कर 50 किलो तक किया है इसलिए मैं इसे जितना संभव हो उतना बनाए रखने की कोशिश करूंगी।' इस 29 साल की पहलवान ने कहा, 'मेरी मांसपेशियां मजबूत हैं, इससे मेरा वजन जल्दी बढ़ जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी फिट हूं, फिर भी मेरा वजन बढ़ता है। मैं सिर्फ अपना वजन नियंत्रित करना चाहती हूं। मेरे पास चार महीने बचे हैं और हर दिन बहुत महत्वपूर्ण है।' विनेश ने कहा, 'मैंने वजन में बदलाव इसलिए किया क्योंकि मेरे पास कोई विकल्प नहीं था। मैंने अपनी खुशी से ऐसा नहीं किया। मैंने 50 किग्रा वर्ग में अपने देश के लिए कोटा जीता। मुझे खुशी है कि मैं ओलंपिक में जा सकती हूं। मैं 50 किग्रा वर्ग में जाऊंगा या 53 किग्रा वर्ग में, यह ट्रायल में तय होगा, लेकिन जो भी हो, मैंने अपने देश के लिए कोटा जीता है।' विनेश को इससे पहले रियो और तोक्यो ओलंपिक में निराशा का सामना करना पड़ा है। लेकिन वह अब हर हाल में ओलंपिक पदक के सपने को पूरा करना चाहती है। उन्होंने कहा, 'मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहती हूं। मुझे कुश्ती करते हुए 20 साल हो गए हैं। मुझे बस ओलंपिक पदक चाहिए। हर कोई इसके लिए काम कर रहा है।' विनेश ने दावा किया था कि वह अवसाद से जूझ रही थीं और यहां तक कि वह कोविड-19 की चपेट में भी आ गई थीं और तत्कालीन डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ लंबे समय तक विरोध और कानूनी लड़ाई के कारण मानसिक दबाव काफी बढ़ गया था। इन सब के बावजूद वह बिश्केक में कोटा जीतने में सफल रही। उन्होंने कहा, 'यह कठिन था लेकिन जब आप जीतते हैं तो हर चीज सार्थक हो जाती है। मैं अगले चार पांच दिन शांति के साथ रह सकती हूं। मेरा मुख्य लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है। मैं वह करने की कोशिश करूंगी जो पिछले दो ओलंपिक में नहीं कर सकी। मैं इस ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हूं।'

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के बैट का वजन होता है कम, महिलाओं के बल्ले का वजन रहता है 1 किलो 100 ग्राम

नई दिल्ली। क्या आपको मालूम है कि महिला क्रिक्रेटरों के लिए तैयार होने वाले बल्ले का पुरुषों के मुकाबले वजन कम होता है। पुरुष के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन जहां 1 किलो 200 ग्राम रहता है। वहीं महिलाओं के लिए जो बल्ले तैयार किए जाते हैं। उनका वजन 1 किलो 100 ग्राम रहता है। वहीं एक स्पोर्ट्स व्यापारी के अनुसार महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले में वजन के साथ-साथ उसकी हाइट भी कम रहती है। उन्होंने बताया की इन बल्ले की बात की जाए तो यह 33 इंच लम्बाई वाला होता है। वहीं पुरुषों के बल्ले की लंबाई 38 इंच रहती है। एक्सपर्ट के अनुसार भले ही पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन 100 ग्राम कम रहता हो।

पाकिस्तान में 21 सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान

इस्लामाबाद, । पाकिस्तान में कड़ी सुरक्षा के बीच नेशनल असेंबली और प्रांतीय असेंबली की कुल 21 सीटों पर उपचुनाव के लिए रविवार को मतदान किया गया। मतदान के दौरान पंजाब और बलूचिस्तान प्रांत के कुछ जिलों में मोबाइल और इंटरनेट सेवा वाधित रही है। इसके जानकारी दे रहे पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने बताया कि सुबह आठ बजे से शुरू हुआ मतदान शाम पांच बजे तक जारी रहा। मतदान की आधिकारिक समय अवधि खत्म होने के बाद जो मतदाता केंद्र में मौजूद रहे उन्हें वोट डालने की अनुमति दी जाएगी। यहां बतला दें कि पाकिस्तान में नेशनल असेंबली और चार प्रांतीय असेंबली के लिए 08 फरवरी को चुनाव संपन्न हुआ था। विभिन्न कारणों से नेशनल असेंबली की एक सीट और पंजाब असेंबली की दो और खैबर-पख्तूनख्वा असेंबली की एक सीट के लिए मतदान रद्द कर दिया गया था। इसके अलावा, जिन प्रत्याशियों ने एक से अधिक सीट जीत लीं थीं उनके एक सीट छोड़ने के कारण पाकिस्तान निर्वाचन आयोग को 21 सीट पर उपचुनाव कराना पड़ रहा है। इनमें नेशनल असेंबली की 05 और प्रांतीय असेंबली की 16 सीटें शामिल हैं। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने सरकार से अनुरोध किया था कि उपचुनाव के दौरान पंजाब और बलूचिस्तान प्रांत के कुछ जिलों में मोबाइल फोन सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी जाएं, जिसके चलते सरकार ने चुनिंदा जिलों में इसे लागू कर दिया था। उपचुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने सेना के जवान और संबंधित अधिकारियों द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

चिपचिपी खदान विस्फोट एक की मौत, तीन जख्मी

काबुल। पश्चिमी काबुल शहर में एक खदान में हुए विस्फोट से एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं तीन अन्य घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया ने जादरान के हवाले से कहा कि पुलिस डिस्ट्रिक्ट-3 के कोट-ए-संगी इलाके में एक चिपचिपी खदान में विस्फोट हुआ जिसकी चपेट में एक कार आ गई जिसमें सवार लोगों में कार चालक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। सभी घायल आम नागरिक हैं। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच जांच शुरू कर दी है। घटना शनिवार की बताई जा रही है। अबतक किसी भी समूह या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

ताइवान में समुद्री क्षेत्र में आया भूकंप, जानमाल का नुकसान नहीं

ताइपे। ताइवान के हुलिएन काउंटी शहर में आज भूकंप के झटके लगे। भूकंप के कारण किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। जानकारी के अनुसार ताइवान के हुलिसन काउंटी में सुबह 10:40 बजे समुद्री क्षेत्र में 5.0 तीव्रता वाले भूकंप के इटके महसूस किए गए। भूकंप की जानकारी चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने दी। जानकारी में बताया गया है कि भूकंप का केंद्र 23.49 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 121.60 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था और इसकी गहराई 20 किमी थी। भूकंप में अब तक किसी के हताहत होने या अन्य नुकसान की खबर नहीं है। ताइवान में लोगों को अलर्ट कर दिया गया है।

नाव डूबने से 58 लोगों की मौत, कई लापता, तलाश जारी

बांगुई। मध्य अफ्रीकी गणराज्य में नाव पलटने से 58 लोगों की मौत हो गई। नाव खचाखच भरी हुई थी और उसमें सवार लोग किसी के अंतिम संस्कार में जा रहे थे। यह दुर्घटना शुक्रवार को सीएआर की राजधानी बांगुई के पास मपोको नदी में हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मीटर लंबी और तीन मीटर चौड़ी नाव में 300 से ज्यादा लोग सवार थे, जो ग्राम प्रधान के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। नाव खचाखच भरी हुई थी। क्षमता से अधिक लोगों के नाव पर सवार होने से नाव अनियंत्रित होकर नदी में पलट गई जिसमें कम से कम 58 लोगों की मौत हो गई है। शनिवार को स्थानीय रेडियो स्टेशन गुइरा द्वारा जारी जानकारी से पता चला है कि अबतक 58 शवों को नदी से निकाला जा चुका है और अभी तक पानी में डूबे लोगों की संख्या का पता नहीं चल सका है। डूबे लोगों की तलाश की जा रही है।

जापान नेवी के दो हेलिकॉप्टर हुए दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, 07 लापता

टोकियो। टोकियो के दक्षिण में प्रशांत महासागर में जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 07 अन्य लोग लापता बताए गए हैं। इस घटना की जानकारी रक्षा मंत्रालय ने रविवार 21 अप्रैल को दी है। आशंका जाहिर करने वालों का कहना है कि शनिवार रात प्रशिक्षण के दौरान दोनों हेलीकॉप्टर एक दूसरे से टकरा गए होंगे। इन हेलीकॉप्टर में चालक दल के 08 सदस्य मौजूद थे। रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा ने घटना की जानकारी देते हुए प्रेस को बताया कि समुद्री आत्मरक्षा बल (एमएसडीएफ) के दो एसएच-60 के हेलीकॉप्टर में चालक दल के चार-चार सदस्य मौजूद थे और शनिवार देर रात टोकियो से लगभग 600 किलोमीटर दक्षिण में तोरीशिमा द्वीप के पास उनसे संपर्क टूट गया। उन्होंने आगे बताया कि इस हादसे का कारण अभी साफ नहीं हो पाया है, लेकिन दोनों हेलीकॉप्टर संभवत- आपस में टकराने के बाद पानी में गिरे होंगे। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने एक उड़ान डेटा रिकॉर्डर के साथ ही दोनों ही हेलीकॉप्टर से एक ब्लेड और एक ही क्षेत्र में दोनों हेलीकॉप्टर के टुकड़े बरामद किए हैं, जो संकेत देते हैं कि दोनों एसएच-60 के एक-दूसरे के करीब उड़ रहे थे। अब अधिकारी डेटा एकत्र कर यह मालूम करेंगे कि दुर्घटना किन कारणों से हुई। उन्होंने बताया कि एमएसडीएफ ने चालक दल के लापता सदस्यों की तलाश और बचाव के लिए 08 युद्धपोत और 05 विमान तैनात किए हैं।

महिला ने जन्मदिन पार्टी मना रहे लोगों को कार से रौंदा, 2 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के मिशिगन राज्य में कथित तौर पर नशे की हालत में कार चला रही एक महिला ने जन्मदिन पार्टी मना रहे लोगों को रौंद दिया, जिससे भाई-बहन की मौत हो गई जबकि 15 अन्य लोग घायल हो गए। जानकारी अनुसार इस घटना में हुए घायलों में से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। मिशिगन के मोनरोए काउंटी शेरिफ ट्रॉय गुडनॉघ ने हादसे की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि हादसे में एक 08 वर्षीय बच्ची और उसके 05 वर्षीय भाई की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया है कि करीब 66 वर्षीय एक महिला ने डेट्रॉयट से करीब 30 किमी दूर दक्षिण में स्थित बर्लिन टाउनशिप में दोपहर करीब 03 बजे एक इमारत में हो रही जन्मदिन पार्टी में कार घुसा दी। पुलिस ने उक्त कार चालक महिला की पहचान उजागर नहीं की, लेकिन उसे नशे की हालत में कार चलाकर लोगों की जान लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

काबुल में विस्फोट, एक की मौत, तीन लोग घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शनिवार को एक 'स्टिकी बम' फटा, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 03 लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि बम एक कार में लगाया गया था, जिस कारण कार चालक की मौत हुई है। यह घटना काबुल के शिया बहुल इलाके में होना बताया गया है। पुलिस सूत्र बता रहे कि बम एक कार में लगाया गया था, जिसमें विस्फोट होने से कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की संक्षिप्त जानकारी देने वाले काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद ज़दरान ने यह नहीं बताया कि घायाल तीन लोग क्या कार में सवार थे, या आस-पास ही खड़े थे। खालिद जदरान ने यह जरुर कहा कि पुलिस मौके पर पहुंच गई है, और मआयना कर रही है, लेकिन घटना की विस्तृत जानकारी उन्होंने मीडिया को नहीं दी। यहां बतला दें कि यह विस्फोट वाणिज्यिक और रिहायशी इलाके कोत-ए-संगी में शनिवार की शाम को हुआ था। विस्फोट की जानकारी किसी आंतकी संगठन या समूह ने नहीं ली है।

अमेरिका में टिक-टॉक पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के निचले सदन 'हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव' ने टिक-टॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले एक विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि चीनी नागरिक के स्वामित्व वाले लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक-टॉक अपने अमेरिकी कारोबार को नहीं बेचता तो उस पर देश में प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

गाजा में इजरायली हमले में बंधक बनाये गये लोगों को रिहा कराने में असफल रहने पर राष्ट्रपति बेंजामिन नेतनयाहू कर विरोध करते हुए लोग।

इजराइल के खिलाफ चल रहे अमेरिका पर भड़के इजराइली पीएम नेतन्याहू

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग के दौरान इजराइली सेना पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगते रहे हैं। अब अमेरिका ने इजराइल के प्रति नाराजगी जाहिर की है। खबर है कि अमेरिका वहां आम लोगों को निशाना बनाने के आरोप में इजराइली रक्षा बलों की एक यूनिट पर प्रतिबंधों की घोषणा कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो किसी इजराइली सैन्य टुकड़ी के खिलाफ बाइडन प्रशासन की पहली कार्रवाई होगी। इजरायली सेना की इस टुकड़ी का नाम नेत्ज़ाह येहुदा बटालियन है। खबरों के मुताबिक लीही कानूनों के तहत, नेत्ज़ाह येहुदा सैनिक अमेरिकी सैनिकों के साथ प्रशिक्षण नहीं ले पाएंगे या अमेरिकी फंडिंग के साथ किसी भी गतिविधि में भाग नहीं ले पाएंगे। इन प्रतिबंधों से बटालियन को अमेरिकी हथियारों के हस्तांतरण पर भी रोक लग जाएगी।

अमेरिका के इस संभावित कदम से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू खासे नाराज दिख रहे हैं। उन्होंने ऐसी कार्रवाई को 'बेतुकेपन की पराकाष्ठा और नैतिक निम्नता' करार दिया है। नेतन्याहू ने ट्वीट किया, 'इजरायल रक्षा बलों पर प्रतिबंध नहीं लगाए जाने चाहिए! हाल के हफ्तों में, मैं इजरायली नागरिकों पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ काम कर रहा हूं, जिसमें वरिष्ठ अमेरिकी सरकारी अधिकारियों के साथ मेरी बातचीत भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में जब हमारे सैनिक आतंक के राक्षसों से लड़ रहे हैं, आईडीएफ की एक इकाई पर प्रतिबंध लगाने का इरादा बेतुकापन और नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। मेरे नेतृत्व वाली सरकार इन कदमों के खिलाफ हर तरह से कार्रवाई करेगी।'

बता दें कि नेत्ज़ाह येहुदा, बेहद कट्टर पैदल सैनिकों की टुकड़ी है। इसमें केवल ऐसे ही सैनिक शामिल होते हैं जो अपनी मान्यताओं से समझौता किए बिना स्वतंत्र रूप से फोर्स की सेवा कर सकते हैं। इन सैनिकों को महिला सैनिकों के साथ बातचीत करने की अनुमति नहीं है और उन्हें धार्मिक अध्ययन एवं प्रार्थना के लिए अतिरिक्त समय दिया जाता है। दिसंबर 2022 में इज़रायल ने इस यूनिट को वेस्ट बैंक से बाहर ट्रांसफर कर दिया था और तब से यह ज्यादातर देश के उत्तरी हिस्सों में सेवा दे रहा है। हालांकि, यहूदी राज्य ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि सैनिकों के आचरण के कारण बटालियन को स्थानांतरित कर दिया गया था। नेत्ज़ाह येहुदा दक्षिणपंथी उग्रवाद और फ़िलिस्तीनियों के ख़िलाफ़ हिंसा को लेकर पिछले कई दिनों से विवादों में घिरी रही है। इसमें 78 साल के फ़िलिस्तीनी-अमेरिकी नागरिक उमर असद की मौत भी शामिल है, जिनकी बटालियन के सैनिकों द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद मौत हो गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, उसके हाथों में हथकड़ी डालकर और आंखों पर पट्टी बांधकर कड़ाके की ठंड में बाहर छोड़ दिया गया था, जिससे उनकी मौत हो गई।

पहली बार दूध में मिला बर्ड फ्लू वायरस : डब्ल्यूएचओ

वाशिंगटन। पहली बार दूध में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि एच 5एन1 बर्ड फ्लू वायरस स्ट्रेन संक्रमित जानवरों के कच्चे दूध में बहुत अधिक मात्रा में मिला है, हालांकि यह वायरस दूध में कितने समय तक जीवित रह सकता है। इस लेकर अभी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) पहली बार 1996 में उभरा लेकिन 2020 के बाद से संक्रमित स्तनधारियों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ पक्षियों में इसके प्रकोप की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस कारण लाखों मुर्गे-मुर्गियों की मृत्यु हो गई है, साथ ही जंगली पक्षी और भूमि और समुद्री स्तनधारी भी संक्रमित हुए हैं। पिछले माह गायों और बकरियों में भी बर्ड फ्लू के लक्षण पाए गए थे। विशेषज्ञों के लिए एक आश्चर्यजनक प्रगति क्योंकि उन्हें इस प्रकार के इन्फ्लूएंजा के प्रति संवेदनशील नहीं माना जाता था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि टेक्सास में एक डेयरी फार्म पर काम करने वाला एक व्यक्ति मवेशियों के संपर्क में आने के बाद बर्ड फ्लू से उबर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में वैश्विक इन्फ्लूएंजा कार्यक्रम के प्रमुख वेनकिंग झांग ने कहा, टेक्सास में मामला गाय द्वारा एवियन इन्फ्लूएंजा से संक्रमित किसी मानव का पहला मामला है। झांग ने बताया, इन मौजूदा प्रकोपों के दौरान पक्षी से गाय, गाय से गाय और गाय से पक्षी में संचरण भी दर्ज किया गया है, जो बताता है कि वायरस ने संक्रमण के अन्य मार्ग ढूंढ लिए हैं, जितना हम पहले समझते थे। अमेरिका में बर्ड फ्लू के लिए किसी मानव के सकारात्मक परीक्षण का यह केवल दूसरा मामला था, और यह वायरस के झुंडों को बीमार करने के बाद आया था जो स्पष्ट रूप से जंगली पक्षियों के संपर्क में थे।

लंदन मेयर पद की दौड़ में दिल्ली के तरुण, पाकिस्तानी सादिक को देंगे चुनौती

-अलोकप्रिय नीतियों को खत्म करना तरुण का प्रमुख उद्देश्य

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के लंदन में मेयर का चुनाव होने वाले हैं। लंदन में मेयर पद पर पाकिस्तान मूल के सादिक खान तीसरी बार जीत चुके हैं। लेकिन इस उन्हें भारतीय मूल के तरुण गुलाटी चुनोती दे रहे हैं। गुलाटी इस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव में उतरेंगे।

दो मई को होने वाले मेयर चुनाव में 63 वर्षीय भारतीय मूल के तरुण गुलाटी पाकिस्तान मूल के सादिक खान को चुनौती देने उतर रहे हैं। मेयर पद के लिए उनकी लड़ाई 13 अन्य उम्मीदवारों से होने वाली है। गुलाटी ने कहा कि वह लंदन को एक अनोखे वैश्विक शहर के तौर पर देखता हैं। यह विश्व के वैश्विक बैंक की तरह है, जहां दुनियाभर के लोग आते हैं। दिल्ली में जन्मे तरुण का कहना है कि लंदन के नागरिकों को सभी राजनीतिक पार्टियों ने दुखी किया है। वह लंदन को अनुभवी सीईओ की तरह चलाना चाहते हैं, जिससे सभी को लाभ मिल सके।

उन्होंने आगे कहा कि मेयर के तौर पर मैं लंदन की बैलेंस शीट इस तरह से तैयार करूंगा कि यह निवेश के लिए विकल्प बन सके और सभी नागरिकों की सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित हो। लंदन को प्रभावी ढंग से बदलूंगा। इस यात्रा में आप सभी शामिल होंगे। लंदन की सड़कों में सुरक्षा उनके मुख्य एजेंडा में प्रमुख है।

लंदन में लेबर पार्टी के मौजूदा नेता सदिक खान की कुछ अलोकप्रिय नीतियों को खत्म करना भी तरुण का प्रमुख उद्देश्य है। तरुण गुलाटी ने कहा, हम यूएलईजेड, एलटीएन जैसी खराब नीतियां नहीं चाहते हैं। जलवायु परिवर्तन हो रहा है और हमें इसके प्रभावों को कम करने की जरूरत है। हमें जो भी परिवर्तन करना होगा, वह जनता की राय लेकर ही करेंगे। तरुण ने मेयर पद के लिए कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार सुजैन हॉल पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई वर्षों तक लंदन असेंबली के सदस्य होने के बावजूद वह इन नीतियों को रोकने में नाकाम रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक उम्मीदवार वह करते जो उन्हें करना चाहिए था, तो मैं मेयर पद की दौड़ में कभी शामिल नहीं होता। तरुण किफायती आवासीय व्यवस्था, पर्यटन को बढ़ावा देना, मुफ्त स्कूल भोजन सुनिश्चित करना और काउंसिल टैक्स को कम करने जैसे मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

अमेरिका ने चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर लगाया प्रतिबंध

- पाकिस्तान को बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए उपकरणों की सप्लाई करने का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी को पाकिस्तान की गुपचुप मदद करना भारी पड़ा है। अमेरिका ने पाकिस्तान को लंबी दूरी की मिसाइल सहित बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के लिए उपकरणों की सप्लाई करने के आरोप में इन पर प्रतिबंध लगा दिया है। चीन, पाकिस्तान का सदाबहार दोस्त है, वह पाकिस्तान के महत्वाकांक्षी सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य सप्लायर रहा है। अमेरिका ने चीन की जिन तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें शियान लॉन्गडे टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड और ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड शामिल है, जबकि बेलारूस के मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि ये कंपनियां ऐसी गतिविधियों या लेन-देन में लिप्त पाई गई हैं, जिन्होंने सामूहिक विनाश के हथियारों या उनके वितरण के साधनों के प्रसार में भौतिक रूप से योगदान दिया है या जोखिम पैदा किया है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा निर्माण, अधिग्रहण, स्वामित्व, विकास, परिवहन में सहयोग शामिल हैं। अमेरिका के कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा कि हम निर्यात नियंत्रण के राजनीतिक उपयोग को अस्वीकार करते हैं। बलोच ने कहा कि यह सर्वविदित है कि उन्हीं न्यायाधिकार क्षेत्रों ने, जो परमाणु अप्रसार नियंत्रणों का कड़ाई से पालन करने का दावा करते हैं, कुछ देशों के लिए उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों के लिए लाइसेंसिंग आवश्यकताओं को माफ कर दिया है। वह स्पष्ट रूप से अमेरिका द्वारा भारत जैसे देशों को अत्याधुनिक हथियारों के निर्यात की अनुमति देने का जिक्र कर रही थीं। बलोच ने इस्लामाबाद में कहा कि इस तरह के भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण और दोहरे मानदंड सैन्य विषमताओं को बढ़ाकर परमाणु अप्रसार प्रशासन की विश्वसनीयता और क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और सुरक्षा के उद्देश्यों को कमतर कर रहे हैं।

रूस तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने पर कर रहा है विचार

न्यू कैसल (ब्रिटेन) (एजेंसी)। । अधिकारियों ने संकेत दिया है कि रूस फिलहाल तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने पर विचार कर रहा है। इस संबंध में हालांकि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन उनके बढ़ते सौहार्दपूर्ण संबंधों का एक संकेत मई में रूस के कजान शहर में आयोजित होने वाले एक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच के लिए तालिबान का निमंत्रण है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने पहले भी तालिबान के साथ चर्चा शुरू की है, और जब संगठन ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण किया तो रूस एक राजनयिक को मान्यता देने वाले कुछ देशों में से एक था।

अफगानिस्तान के राजनीतिक एवं आर्थिक संकट और यूक्रेन युद्ध के कारण रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों का मतलब है कि दोनों पक्षों को मजबूत रिश्ते से कुछ हासिल करना होगा। वर्ष 1999 में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव 1267 को अपनाया था। कुछ महीने बाद, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को लागू करने और तालिबान के खिलाफ प्रतिबंध लगाने संबंधी एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए। रूस के उच्चतम न्यायालय ने 2003 में तालिबान को आतंकवादी संगठन घोषित करते हुए कहा कि इसने चेचन्या में अवैध सशस्त्र बलों के साथ संबंध बनाए रखे और उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान तथा किर्गिस्तान में सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश की।

रूस ने खुद को एक शांति दूत के रूप में पेश करने प्रयास के रूप में अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच बातचीत के लिए 2017 में एक क्षेत्रीय पहल शुरू की। इन वार्ताओं का उद्देश्य अफगानिस्तान संकट का समाधान निकालना था। अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से, किसी भी देश ने तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। तालिबान चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध वापस लिए जाएं और जब्त की गई संपत्तियों को मुक्त किया जाए ताकि देश के आर्थिक विकास में मदद मिल सके।

यदि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध वापस ले लिए जाते हैं, तो अफगानिस्तान को महत्वपूर्ण लापीस-लाजुली व्यापार गलियारे के विकास से आर्थिक रूप से लाभ होना चाहिए जो अफगानिस्तान को इस्तांबुल और यूरोप और उज्बेकिस्तान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान रेलवे लाइन से जोड़ता है। रूस द्वारा तालिबान को अपनी आतंकवाद सूची से हटाना वर्तमान अफगानिस्तान सरकार के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता की दिशा में पहला कदम होगा। तालिबान के साथ सहयोग से रूस को भी लाभ होता है।

इसका लक्ष्य खुद को क्षेत्र के सुरक्षा प्रदाता के रूप में पेश करना है। क्षेत्र की स्थिरता, मादक पदार्थों की तस्करी और इस्लामी आतंकवाद के खतरों के बारे में भी चिंताएं है, खासकर मॉस्को के क्रोकस सिटी हॉल पर हाल में आईएसआईएस-के हमले के बाद। क्षेत्र में अपनी भू-आर्थिक और भू-राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने के लिए, रूस पहले से बनाए गए गठबंधनों का इस्तेमाल कर सकता है। तालिबान और रूस के बीच बढ़ते सहयोग का रूस और पश्चिम के बीच चल रही प्रतिद्वंद्विता के संदर्भ में निहितार्थ है। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से, रूस ने अन्य देशों को अपने इस रणनीतिक दृष्टिकोण को समझाने का प्रयास किया है कि युद्ध क्यों हो रहा है।

जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, सात लापता

बीजिंग। जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर के तोक्यो के दक्षिण में प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि सात अन्य लोग अभी लापता है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि शनिवार रात प्रशिक्षण के दौरान दोनों हेलीकॉप्टर एक दूसरे से टकरा गए। इन हेलीकॉप्टर में चालक दल के आठ सदस्य थे। रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा ने संवाददाताओं को बताया कि समुद्री आत्मरक्षा बल (एमएसडीएफ) के दो एसएच-60के हेलीकॉप्टर में चालक दल के चार-चार सदस्य सवार थे और शनिवार देर रात तोक्यो से लगभग 600 किलोमीटर दक्षिण में तोरीशिमा द्वीप के पास उनसे संपर्क टूट गया। किहारा ने बताया कि इस हादसे का कारण अभी पता नहीं चला है लेकिन दोनों हेलीकॉप्टर संभवत- आपस में टकराने के बाद पानी में गिरे। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने एक उड़ान डेटा रिकॉर्डर, प्रत्येक हेलीकॉप्टर से एक ब्लेड और एक ही क्षेत्र में दोनों हेलीकॉप्टर के टुकड़े बरामद किए हैं, जो संकेत देते हैं कि दोनों एसएच-60के एक-दूसरे के करीब उड़ रहे थे। अधिकारी यह पता लगाने के लिए उड़ान संबंधी डेटा का विश्लेषण करेंगे कि दुर्घटना का कारण क्या था।

इजरायल और ईरान की जंग बनेगी तीसरे विश्वयुद्ध का कारण : बाबा वेंगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। बुल्गारिया के नास्त्रेदमस कहे जाने वाले बाबा वेंगा की ज्यादातर भविष्यवाणियां सच हुई हैं। उन्होंने यूक्रेन में चेरनोबिल आपदा, राजकुमारी डायना की मृत्यु, न्यूयॉर्क में 9/11 अटैक और यहां तक कि अपनी मौत के बारे में भी बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी की थी, जो बिल्कुल सच साबित हुई थी। 2024 के लिए उनकी भविष्यवाणी में कहा गया है कि ईरान के साथ तनाव में ब्रिटेन और अमेरिका सहित सभी पश्चिमी देशों के इजरायल के समर्थन में खड़े होने की संभावना है। ईरान रूस का समर्थन करता है और पुतिन यूक्रेन को खत्म करने के लिए स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। अगर ऐसा हुआ तो परमाणु युद्ध की ओर हालात बढ़ सकते हैं। अगर रूस ने जंग शुरू की तो अमेरिका और पश्चिमी देश चुप नहीं बैठेंगे। ईरान को सजा देने के लिए इजरायल को ताकत देंगे। उसे हथियार, गोला-बारूद मुहैया कराएंगे। क्योंकि उनका तो एक ही सपना है, हम पुतिन को यूक्रेन में जीतने नहीं दे सकते, हम ईरान को इजरायल को नष्ट करने नहीं दे सकते। हम जितना मजबूत होंगे, हम उतने ही सुरक्षित रहेंगे।सबसे ज्यादा डराने वाली भविष्यवाणी उन्होंने 2024 के लिए की थी, जिसमें तृतीय विश्व युद्ध की चेतावनी दी गई थी। बाबा वेंगा ने कहा था कि 2024 में आतंकी घटनाओं की लहर सी आएगी। एक प्रमुख देश जैविक हथियारों का टेस्ट भी कर सकता है। इसके सबूत भी मिलने लगे हैं। क्योंकि रूस में भयानक आतंकी हमला हुआ। एक्सपर्ट उनकी उस भविष्यवाणी को ज्यादा डराने वाली बता रहे हैं, जिसमें विश्वयुद्ध की बात कही गई है। बकिंघम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एंथनी ग्लीज ने कहा, ईरान-इजरायल के बीच तनाव ने इस आशंका को और बढ़ा दिया है। दुनिया की शांति एक धागे पर लटकी हुई है। यह धागा कभी भी टूट सकता है। ग्लीज ले कहा, ईरान के साथ रूस के घनिष्ठ संबंध हैं। इसलिए उसे इस जंग में घसीटा जा सकता है। क्योंकि ईरान रूस को मिसाइल और लड़ाकू जेट सहित यूक्रेन में इस्तेमाल होने वाले कई हथियार मुहैया करा रहा है। यह पश्चिमी देशों को पसंद नहीं आ रहा है। वे किसी भी तरह रूस को रोकना चाहते हैं। उसे फंसाना चाहते हैं।

लेखा संग अपने रिश्ते पर बोले इमरान

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर है। उनके चाहने वाले उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। अभिनेता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। इमरान अभिनेत्री लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। अब काफी दिनों के बाद अभिनेता ने अपने निजी रिश्ते पर खुलकर बात की है।

इमरान ने हाल ही में पुष्टि की है कि वह अभिनेत्री लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। इसके साथ ही अभिनेता उनके साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि एक कलाकार को डेट करना कैसा होता है। अपने हालिया साक्षात्कार में, अभिनेता ने खुलासा किया कि चूंकि वे दोनों फिल्म इंडस्ट्री से हैं, इसलिए उनकी बातचीत ज्यादातर फिल्मों के इर्द-गिर्द घूमती है। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि एक ही इंडस्ट्री से आने वाले व्यक्ति के साथ रहने के अपने नुकसान हैं क्योंकि एक समय के बाद यह थका देने वाला हो जाता है क्योंकि बात करने के लिए और कुछ नहीं होता है।

इमरान ने स्वीकार किया कि जब दो कलाकार एक रिश्ते में होते हैं, तो वे एक-दूसरे के लिए पेशेवर बाउंसिंग बोर्ड बन जाते हैं। इमरान ने आगे कहा, फिल्मों के बारे में हमें चुप कराना मुश्किल है। मैं रुकता नहीं हूं। मैं हमेशा उनके साथ फिल्मों के बारे में बात करता रहता हूं और एक कलाकार होने के नाते वह हमेशा कुछ न कुछ विचार रखती हैं... इसलिए यह मजेदार और मनोरंजक है। खुद को फिल्मी कपल बताते हुए इमरान ने कहा, मैं कहूंगा यदि आप फिल्मी लोगों के साथ घूमने-फिरने में बहुत अधिक समय बिताते हैं, तो यह बहुत जल्दी थका देने वाला हो जाता है क्योंकि हम फिल्मों के अलावा किसी और चीज के बारे में बात नहीं करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान और लेखा ने मुंबई के बांद्रा में बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर का अपार्टमेंट किराए पर लिया है और वे एक साथ रहने लगे हैं।

शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं विद्या बालन

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध विद्या बालन की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो गई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्देशन शीर्ष गुहाल ठाकुरता ने किया है। इस फिल्म को लेकर विद्या लागातार इंटरव्यू दे रही हैं। इसी दौरान विद्या ने अपनी एक दिली इच्छा जाहिर की है।

विद्या बालन ने अपने करियर में कई तरह की फिल्में की हैं। हमेशा से ही उनका यही मकसद रहा है कि वह अपनी फिल्मों के जरिए फैंस को ज्यादा से ज्यादा एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट दे सकें। हो सकता है कि यही वजह है कि विद्या अब शाहरुख के साथ एक रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं, ताकि वह अपने फैंस को और भी एंटरटेन कर सकें। साल 2007 में आई विद्या की फिल्म हे बेबी में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। शाहरुख इस फिल्म के गाने मस्त कलंदर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान नजर आए थे। हालांकि यह बात और कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन अब जबकि विद्या ने शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करने की इच्छा को जाहिर कर दिया है, ऐसे में देखना यह है कि इस पर शाहरुख का कोई रिएक्शन आता भी है या नहीं। विद्या बालन इन दिनों अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर काफी व्यस्त चल रही हैं। इसी फिल्म के लिए दिए हुए एक इंटरव्यू के दौरान जब विद्या से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किस अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मेरा किरदार शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम में बहुत ही कम समय के लिए था, लेकिन मैं शाहरुख के साथ एक अच्छी लव स्टोरी में काम करना चाहती हूं। हाल ही में एक और इंटरव्यू में विद्या ने कहा था कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। इसपर विद्या ने कहा, बतौर अभिनेत्री में मुझे कभी कॉमेडी फिल्म करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मैं करना चाहती हूं।

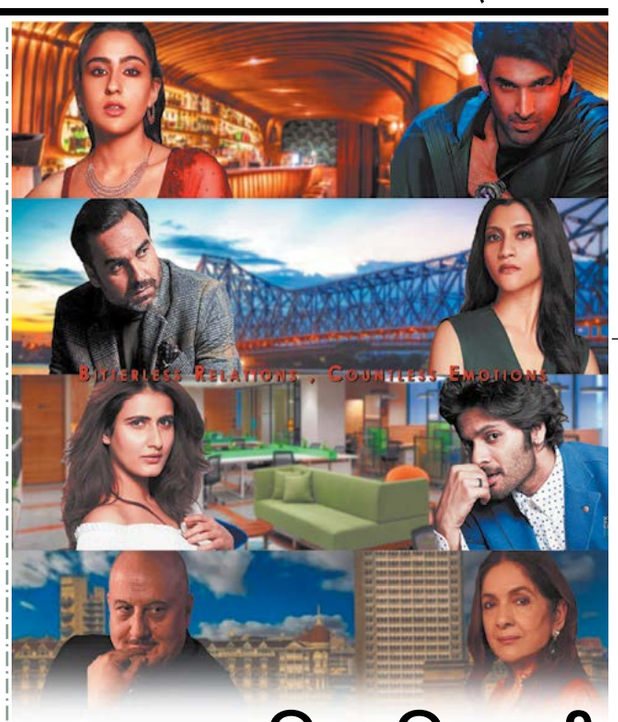

एक बार फिर खिसकी मेट्रो इन दिनों की रिलीज की तारीख

भूषण कुमार और निर्देशक अनुराग बसु की अगली फिल्म मेट्रो इन दिनों का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज के लिए उन्हें काफी इंतजार करना पड़ रहा है। कुछ समय पहले ही निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज की तारीख का खुलासा किया था, लेकिन एक बार फिर इसकी रिलीज आगे खिसक चुकी है। अब निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया है। अब यह फिल्म इस साल नवंबर में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। अनुराग बसु दिल को छू लेने वाली कहानियां पर्दे पर लाने के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वे ऐसी ही कहानियां आगामी एंथोलॉजी फिल्म मेट्रो...इन दिनों के जरिए दर्शकों के सामने लाने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने आज शुक्रवार को फिल्म की नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित यह फिल्म अब 29 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले घोषणा की गई थी कि यह फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे खिसकाया गया और इसे 13 सितंबर 2024 को रिलीज करने की योजना बनाई गई। वहीं अब आखिरकार यह फिल्म इस साल 29 नवंबर को दस्तक देगी। मेट्रो...इन दिनों आदित्य रॉय कपूर और अनुराग बसु का दूसरा सहयोग है। दोनों ने पहली बार लूडो में साथ काम किया था।

मैं और कैटरीना आज भी ज्यादा से ज्यादा समय एक साथ बिताते हैं

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल ने वेलेंटाइन डे पर अपनी पत्नी कैटरीना कैफ के साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने कहा कि जब वह डेटिंग कर रहे थे तो उनका लक्ष्य एक-दूसरे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना रहता था। विक्की अपने भाई सनी कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मंच पर नजर आए। मेजबान कपिल शर्मा ने शादी से पहले और बाद में वेलेंटाइन डे की योजना के बारे में बात की। जिस पर विक्की ने शेयर किया कि शादी से पहले, हमारा लक्ष्य एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना था। शादी के बाद भी वही स्थिति है कि हमें एक-दूसरे के साथ अधिकतम समय बिताना है। विक्की से सहमति जताते हुए कपिल ने टिप्पणी की, मैं सहमत हूं। मेरे लिए वैलेंटाइन डे हर रोज है। अपने मजाकिया अंदाज से सनी को चिढ़ाते हुए, कपिल ने कहा, क्या आप मानते हैं कि वेलेंटाइन डे हर रोज होता है या यह केवल 14 फरवरी को होता है। सनी और शारवरी वाघ कथित तौर पर एक कथित तौर पर रिश्ते में हैं। यह एपिसोड नेटफ्लिक्स पर शनिवार रात 8 बजे प्रसारित होने वाला है।

प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर राजकुमार राव ने चुप्पी तोड़ी

राजकुमार राव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म श्रीकांत-आ रहा है सबकी आंखें खोलने को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच अभिनेता, दिलजीत दोसांझ के हालिया कॉन्सर्ट से वायरल अपनी एक तस्वीर को लेकर भी सुर्खियों में घिर गए हैं। तस्वीर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ गई कि राजकुमार राव ने प्लास्टिक सर्जरी कराई है। हालांकि, अब खुद अभिनेता ने अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है और फाइटर में खलनायक ऋषभ साहनी के साथ तुलना किए जाने पर भी प्रतिक्रिया देते नजर आए हैं। एक इंटरव्यू में, राजकुमार ने कहा कि उन्हें यह बहस बहुत मजेदार लगी। अभिनेता ने कहा, अगर आपने वह तस्वीर देखी है तो वह मेरी तरह बिल्कुल भी नहीं लग रही है। यह वाकई एक बहुत बड़ा मजाक था क्योंकि इसमें मैं नहीं हूं। मुझे लगता है किसी ने प्रैंक किया है। मैं यकीन से कहता हूं कि इस तस्वीर के साथ किसी ने छेड़खानी की है। ये तस्वीर नकली है। राजकुमार यहीं नहीं रुके और अपनी बात में जोड़ा, लोग प्लास्टिक सर्जरी जैसे बड़े शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया है। हालांकि, जब मैंने इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तो लोग मेरे लुक्स पर कमेंट करते थे, तो 8-9 साल पहले, मैंने फिलर्स करवाया था। मैंने बेहतर दिखने और महसूस करने के लिए ऐसा किया था। जिससे मेरा चेहरा सही संतुलित नजर आए। और ये मैंने स्किन के डॉक्टर से सलाह के बाद किया था। मेरा मानना है कि अगर कोई ऐसा आत्मविश्वास पाने के लिए करना चाहता है तो क्यों नहीं, इसमें कोई बुराई नहीं है। अभिनेता ने वायरल तस्वीर को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर कहा, उट्रोल्स का कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि ये प्रैंक है। मैं जानता हूं कि ये नकली है। इसके अलावा ऐसे ट्रोल भी हैं, जो सिर्फ ध्यान खींचने के लिए ऐसा करते हैं। मुझे लगता है कि ये सबसे दुखद बात है, जो कोई भी ऐसा करता है। सितारों को अच्छा दिखने के लिए हमेशा दबाव का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके लिए हमेशा काम ही प्राथमिकता रहती है। राजकुमार राव ने अपनी वायरल तस्वीर की तुलना फाइटर (2024) के विलेन ऋषभ साहनी से किए जाने पर कहा, मुझे यह बहस बहुत मजेदार लगी, मैंने उस वायरल फोटो को भी देखा। वह छवि इतनी साफ-सुथरी दिखती है सच है, मेरी त्वचा उस तरह की बेदाग नहीं है। मुझे सच में विश्वास है कि मैं एक के पॉप स्टार की तरह दिखने लगा हूं।

ये भ्रम है कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा और ओटीटी धमाल मचा रहा है

करीब 30 साल से भी ज्यादा वक्त से ऐक्टिंग इंडस्ट्री में सक्रिय मनोज बाजपेयी वक्त के साथ लगातार गाढ़े होते गए। पढ़ने-लिखने के शौक के साथ वह खुद भी एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं। इसी वजह से दूसरे अपेक्षाएं रखें या ना रखें, लेकिन वह खुद से बहुत अपेक्षाएं रखते हैं। विलेन हो या हीरो, उन्होंने अपनी अदाकारी से हर किरदार को पर्दे पर घोलकर साकार किया है। इन दिनों उन्हें गुत्थियां सुलझाते हुए भी खूब देखा जा रहा है। अब मनोज बाजपेयी जल्द ही फिल्म साइलेंस-2 में एसीपी अविनाश के रूप में फिर से नई गुत्थी सुलझाते दिखेंगे।

मेरा सपना पहाड़ों पर रहने का है

मैं 30 साल से ज्यादा वक्त से फिल्म इंडस्ट्री में हूं। अब मैं चीजें सीख-सीखकर बहुत गाढ़ा हो गया हूं। मुझे पढ़ाई-लिखाई का शौक है। गाढ़े होने की वजह से ही मैं जितना हो सके बेहतर निकालने की कोशिश करता हूं। अभिनय के साथ मुझे ज्ञान जुटाने का शौक है। मगर पहाड़ों पर घर का सपना बुनने का इससे कोई लेना देना नहीं। हां, कोरोना काल में पहाड़ों पर काफी रहना हुआ। आठ महीने वहां रहा था। उस वक्त वहीं शूटिंग चल रही थी, जिसे रोक दिया गया था।

रंगमंच को मिले सरकार का सपोर्ट

रंगमंच पूरे तरीके से लोगों तक तभी पहुंच पाएगा, जब सरकार का सपोर्ट होगा। जगह-जगह पर कलाकारों को उस तरह की सुविधाएं दी जाएं कि वह शहर या राज्य के अलग-अलग कोनों पर जाकर सरकार की मदद से लगातार परफॉर्मे?स दें। ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियां हर राज्य के कोने-कोने में होनी चाहिए, जहां पर ना सिर्फ थिएटर बल्कि वहां की लोक संस्कृतियां और लोक संगीत सब पनपे। ये सब थिएटर के एक्सटेंड वर्जन हैं। सरकार इसमें आगे आए तो रंगमंच का हर रंग जगह बिखरेगा।

मशहूर लोगों की बायॉपिक याद रहती है

बायॉपिक के सवाल पर मनोज बाजपेयी कहते हैं, देखिए, मैंने भी की है लेकिन अफसोसजनक है कि सबको मशहूर लोगों की बायॉपिक ही याद रहती है या उसकी वो बात करते हैं। मैंने फिल्म अलीगढ़ की थी, जिसे बहुत नाम व सम्मान मिला। वह फिल्म किसी प्रफेसर की निजी जिंदगी की कहानी थी। उसको भी मैं बायॉपिक ही बोलता हूं। मेरे लिए जरूरी है कि किरदार मुझे उत्साहित कर रहा या चुनौती दे रहा है कि नहीं। मैं उन किरदारों को नहीं छोड़ता जो ये कहे कि अगर नहीं किया तो अभिनेता का जीवन असफल रह जाएगा। अगर आगे भी किसी की बायॉपिक मिलती है तो मैं उसे करने के लिए तैयार हूं।

कहना गलत है कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा

यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा और ओटीटी धमाल मचा रहा है। यह सिर्फ एक भ्रम है, जो लोगों के जेहन में उतर गया है। बहुत सारा ओटीटी का कॉन्टेंट, जिसमें फिल्में व सीरीज आती हैं, वे अच्छा नहीं भी कर पाती हैं। वैसे ही, थिएटर सिनेमा है। उसे बस जरा सा समय चाहिए। थिएटर को कोरोना की ऐसी बुरी मार पड़ी है कि लोग तो आ रहे लेकिन कुछेक चुनिंदा फिल्मों के लिए। हालांकि, अब उन्होंने फिर से जाना शुरू कर दिया है। मेरे खयाल से अगले एक साल में पूरा दर्शक समुदाए फिर से थिएटर की ओर लौट आएगा। बशर्ते, अगर कोई अनहोनी घटना नहीं घटती है तो।

मैं खुद से बहुत अपेक्षाएं रखता हूं

अभिनेता के अतिरिक्त, मैं खुद में बहुत जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मैं खुद से बहुत सी अपेक्षाएं रखता हूं इसलिए दर्शक मुझसे क्या उम्मीद रखते, इस तरह का बाहरी दबाव लेने की मुझे जरूरत नहीं पड़ती। मैं अपनी अपेक्षाओं और ऐक्टर की जिम्मेदारी से स्वयं में इतना दब जाता हूं कि पूरे समय उसके साथ ही न्याय करता रहता हूं। मुझे ऐक्टिंग में मजा आता है। बाहर से प्रेशर लेकर मैं काम नहीं कर पाऊंगा। जो प्रेशर है, वो भीतर से है। वही लेकर मैं पैदा हुआ हूं। बिना किसी समझौते के अच्छा काम करने की ख्वाहिश और उसे अंजाम तक लेकर जाना मेरी नस-नस में है।

दमण के स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में अग्निशमन सेवा सप्ताह का हुआ समापन समारोह

फोटो :- ध्रुविक भट्ट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। दमण में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक फायर सर्विस वीक मनाया गया। जिसका समापन समारोह दमण के स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। इस दौरान इंडस्ट्रीयल फायर सेफ्टी क्वीज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था। इस दौरान फायर एनओसी के साथ फायर हाइड्रेंट प्रणाली की स्थापना करने वाली कंपनियों को फायर विभाग द्वारा अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा डायरेक्टर तथा आईजी मिलिंद महादेव दुम्बेरे उपस्थित रहे। इस अवसर पर दमण फायर एवं इमरजेंसी सर्विस के सहायक निदेशक ए. के. वाला, फायर स्टेशन ऑफिसर सुमन पटेल एवं फायर विभाग के अधिकारी तथा औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

खानवेल आरडीसी शुभंकर मिश्रा को अधिकारियों ने दिया शुभेच्छा विदाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अप्रैल। दादरा नगर हवेली के खानवेल आरडीसी आईएएस अधिकारी शुभंकर मिश्रा प्रोबेशन क्लियर होने के बाद भारत सरकार द्वारा उन्हें स्थानांतरित किए जाने से सभी अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से उन्हें शुभेच्छा विदाई दी गई।

अग्निशमन सेवा सप्ताह अंतर्गत फायर विभाग ने पॉलिकैब कंपनी को किया बेस्ट अवॉर्ड से सम्मानित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा द्वारा फायर सर्विस वीक मनाया गया। 14 अप्रैल से शुरू हुए फायर सर्विस वीक के अंतर्गत 20 अप्रैल को समापन के दिन अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा डायरेक्टर एवं आईजी मिलिंद महादेव दुम्बेरे द्वारा पॉलिकैब कंपनी के प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी को बेस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड उन कंपनियों को मिला है, जिन्होंने अपनी कंपनी में फायर एनओसी के साथ फायर हाइड्रेंट प्रणाली की स्थापना कर रखी है। इस कार्यक्रम में लगभग 50 कंपनियों को यह अवॉर्ड दिया गया। अग्निशमन सेवा सप्ताह का मुख्य उद्देश्य अग्नि सुरक्षा और बचाव की महत्वपूर्णता को सार्वजनिक जागरूकता के माध्यम से प्रसारित करना है। अग्निशमन सेवा सप्ताह के उद्देश्य को पूरा करने के लिए हर साल 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह मनाया जाता है। इस मौके पर दमण फायर एवं इमरजेंसी सर्विस के सहायक निदेशक ए. के. वाला, स्टेशन ऑफिसर सुमन पटेल एवं फायर विभाग के अधिकारी तथा दादरा नगर हवेली और दमण इंडस्ट्रीज के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव 2024 हेतु पीठासीन और मतदान अधिकारियों के लिए आयोजित हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 21 अप्रैल। 7 मई 2024 को संघ प्रदेश में होने वाले आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर 20/04/2024 को मलाला प्रेक्षागृह दीव में पीठासीन और मतदान अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि पीठासीन और मतदान अधिकारियों के लिए यह द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम था। प्रशिक्षण के दौरान चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं और उनमें इन अधिकारियों की भूमिका के बारे में अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीठासीन और मतदान अधिकारियों को मार्गदर्शन देने के लिए समाहर्ता/सहायक निर्वाचन अधिकारी दीव भानु प्रभा सहित भारत निर्वाचन आयोग की दीव जिले हेतु नियुक्त ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी, अपर जिलाधीश डॉ. विवेक कुमार, उप समाहर्ता शिवम मिश्रा एवं राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र के जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी जयेश ढांडुकिया उपस्थित थे। ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने प्रशिक्षार्थी अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वे प्रशिक्षण में अपनी शंकाओं को दूर करते हुए मतदान के दिन अपनी भूमिका जिम्मेदारीपूर्वक निभायें। समाहर्ता/सहायक निर्वाचन अधिकारी दीव भानु प्रभा ने भी अधिकारियों से कहा कि वे चुनाव संबंधी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की जानकारी लेते हुए इस प्रशिक्षण का पूरा लाभ लें। इसी प्रकार अपर जिलाधीश डॉ. विवेक कुमार, उप समाहर्ता शिवम मिश्रा एवं राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान अधिकारी जयेश ढांडुकिया ने भी प्रशिक्षार्थी अधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

सिलवासा में बेधड़क चल रही कोचिंग संस्थाएं शिक्षा के माफियागिरी को दे रही है बढ़ावा

■ लाखों की फीस लेने के बाद कोचिंग संस्थाएं अभिभावकों और बच्चों के साथ न सिर्फ कर रही है धोखाधड़ी बल्कि दादागिरी करने से भी नहीं आ रही हैं बाज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 21 अप्रैल। दादरा नगर हवेली में जब से नमो मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज तथा दूसरी उच्च शैक्षणिक संस्थाएं स्थापित हुई है तब से बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थाएं भी खोली गई है। यह कोचिंग संस्थान न सिर्फ शिक्षा में माफियागिरी को बढ़ावा दे रही है बल्कि शिक्षा के एक बड़े स्वरूप को भयंकर रूप दे रही है। सिलवासा शहर में बड़ी संख्या में खोली गई कोचिंग संस्थान के पहले भी दूसरी कोचिंग संस्थाएं बड़े माफियाओं की तरह बैठी थी। अब इन कोचिंग संस्थानों में एक होड सी मच गई है कि किस तरह से बच्चों और अभिभावकों को बरगलाकर उनसे लाखों रुपये की फीस लिया जाए और शिक्षा के स्वरूप को पूरी तरह से बाजारू बनाया जा सके। अभी तक यह कहा जाता था कि ऐसी कोचिंग संस्थाएं दिल्ली, कोटा, नोएडा, गुड़गांव, इलाहाबाद जैसे शहरों में ही हुआ करती थी। लेकिन दादरा नगर हवेली में शिक्षा माफियाओं के आने से अभिभावकों और बच्चों के ऊपर शिक्षा को लेकर एक अतिरिक्त न सिर्फ प्रभाव पड़ रहा है बल्कि उससे शैक्षणिक व्यवस्था भी धीरे-धीरे व्यवसायिक व्यवस्था में तब्दील होती जा रही है। लाखों रुपए की फीस लेने वाली यह कोचिंग संस्थाएं केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के नियमों को ताक पर भी रखती हैं और छोटे बच्चों से कोचिंग लेने के अलावा 12वीं तक के बच्चों से लाखों रुपए की फीस वसूल रही और अभिभावक मजबूरी में इन कोचिंग संस्थानों की तरफ जाने के लिए विवश है। ऐसा कहा जा रहा है कि दादरा नगर हवेली के सिलवासा शहर में पहले से ही एक बड़ी कोचिंग संस्था थी जो की सिलवासा की एकमात्र ऐसी कोचिंग संस्था थी जो शिक्षा का माफियागिरी चलती थी। लेकिन मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज आने के बाद बाहर की भी कोचिंग संस्थाएं आई है और उससे अभिभावकों और बच्चों को राहत मिलने की वजह और भी कठिनाई होने लगी है। क्योंकि पहले से ही जो कोचिंग संस्थाएं यहां पर बैठी थी वह लाखों रुपए फीस कोर्स प्रिपरेशन करने के बहाने ले रही थी, अब उन्हें इस कोचिंग को देखकर के नई कोचिंग संस्थाएं भी बच्चों से लाखों रुपए की फीस वसूल रहे हैं। दादरा नगर हवेली का शिक्षा विभाग समय रहते इन कोचिंग संस्थानों के ऊपर नकेल नहीं कसता है तो वह दिन दूर नहीं जब कोटा जैसे हालात यहां भी हो जाएंगे और आए दिन बच्चे और अभिभावक भी आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। क्योंकि यह कोचिंग संस्थाएं जिस तरह से बच्चों और अभिभावकों को लूट रहे हैं वह सभी सीमाओं को पार कर गए हैं।

डीएमसी और रोटरी क्लब दमण ने चलाया सफाई अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। डीएमसी और रोटरी क्लब दमण द्वारा खारावाड विस्तार में सफाई अभियान चलाया गया। डीएमसी वॉर्ड नं. 3 में चलाये गए सफाई अभियान के दौरान लगभग 4 क्विंटल कचडा एकत्र किया गया और उसका उचित निपटान किया गया।

दमण के भीमपोर की केनरा बैंक शाखा ने नारी शक्ति के लिए नए बचत खाता प्रोडक्ट केनरा एंजेल का किया शुभारंभ

■ संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के पूर्व स्वास्थ्य निदेशक और पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य के हाथों केनरा एंजेल का हुआ लोकार्पण

■ केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय सूरत के मंडल प्रबंधक सुमित कुमार और केनरा बैंक भीमपोर की शाखा प्रमुख प्रियंका मोदी की रही उपस्थिति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। दमण जिले के भीमपोर की केनरा बैंक शाखा द्वारा महिलाओं के लिए एक नया अनूठा प्रोडक्ट केनरा एंजेल का शुभारंभ किया गया है। भीमपोर की केनरा बैंक की शाखा में शनिवार को संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के पूर्व स्वास्थ्य निदेशक और पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य के हाथों केनरा एंजेल का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय सूरत के मंडल प्रबंधक सुमित कुमार और भीमपोर केनरा बैंक की शाखा प्रमुख प्रियंका मोदी और बैंक के अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही। केनरा बैंक द्वारा शुरू किया गया केनरा एंजेल खासकर महिलाओं के लिए लाभकारी साबित होगा। केनरा एंजेल महिलाओं के लिए कैंसर देखभाल बीमा, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा और विभिन्न अन्य बैंकिंग सुविधाओं को उपलब्ध कराने वाला एक अनूठा उत्पाद है। केनरा बैंक भारत सरकार का उपक्रम (सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक) है। केनरा बैंक द्वारा केनरा एंजेल नामक नया प्रोडक्ट महिलाओं के हित को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है।

श्रीनाथजी ग्रुप ऑफ कॉलेज दमण में कैंपस इंटरव्यू का सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 21 अप्रैल। दमण के श्रीनाथजी बीबीए, बीसीए और बीकॉम कॉलेज में एक कैंपस इंटरव्यू का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के तीसरे वर्ष में पढ़ने वाले सभी छात्रों ने भाग लिया। दमण और दानाह की प्रसिद्ध पेसिफिक साइबरसॉफ्ट कंपनी ने पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी कॉलेज के पंद्रह छात्रों को दो लाख से अधिक के वार्षिक पैकेज पर नौकरी की पेशकश की। इसके अलावा आईडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, फिनकेयर फायनांस जैसे प्रसिद्ध बैंकों ने भी इस कॉलेज के छात्रों को नौकरी की पेशकश की। दमण के इतिहास में यह पहली बार होगा कि इतने सारे बैंक एक कॉलेज में एक साथ आए और दमण के एक ही कॉलेज के इतने सारे छात्रों को नौकरी की पेशकश की। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए संचालक मंडल की ओर से कॉलेज के प्रिंसिपल एवं स्टाफ को बधाई दी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)